THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

साप्ताहिक हिन्दी संमाचार पत्र

द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर

RJHIN/25/A 4779

www.theuncoveredupdate.com | जयपुर, सोमवार 29 जून, 2026 | » वर्ष: 01 | » अंक: 30 | » पृष्ठ: 8 | » मूल्य: 2.00 रू.

सऊदी अरब में हेलिकॉप्टर क्रैश, 14 की मौत

नई दिल्ली।

सऊदी अरब के रास तनुरा में रविवार को दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर सवार सभी 14 लोगों की मौत हो गई। सऊदी प्रेस एजेंसी के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में सवार सभी लोग सऊदी अरब के ही नागरिक थे। हालांकि, क्रैश की वजह की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी

सऊदी अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों में से एक है। यह सऊदी अरब सरकार के स्वामित्व में है। इसकी स्थापना 1933 में अमेरिकी कंपनियों के साथ समझौते के तहत हुई थी। 1980 में यह पूरी तरह सऊदी सरकार के नियंत्रण में आ गई। कंपनी का मुख्यालय धहरान में स्थित है। अरामको के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक है और यह प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है, जिससे यह वैश्विक ऊर्जा बाजार की प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गई है। सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था काफी हद तक इसी कंपनी की आय पर निर्भर करती है। अरामको केवल कच्चे तेल का उत्पादन ही नहीं करती, बल्कि रिफाइनिंग, पेट्रोकेमिकल्स और प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में भी सक्रिय है। इसके नियंत्रण में दुनिया का सबसे बड़ा पारंपरिक तेल क्षेत्र, गवार, भी आता है। 2019 में कंपनी ने शेयर बाजार में अपना आईपीओ लॉन्च किया, जिसे इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ माना गया। हाल के वर्षों में अरामको रिन्यूबल एनर्जी, हाइड्रोजन और कार्बन कैप्चर जैसी तकनीकों में निवेश बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री ने श्रीमद्भागवत कथा का किया श्रवण

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बगरू के निमेड़ा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ज्ञान है। इससे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं और श्रेष्ठ जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति हमें सन्मार्ग पर चलने, अच्छे कर्म करने तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने की शिक्षा देती है। भागवत कथा में सामाजिक जीवन, परिवार और समाज के प्रति प्रत्येक व्यक्ति के दायित्वों का विस्तृत वर्णन है, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। इसका अनुसरण करने से परिवार में सुख, शांति और खुशहाली का वातावरण बनता है तथा समाज में सद्भाव और संस्कारों का विकास होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति प्रकृति को पूजनीय मानती है। हम नदियों, पर्वतों, वृक्षों और गौ माता की पूजा करते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि आने वाली पीढ़ी को संस्कृति, संस्कारों और आध्यात्मिक मूल्यों से परिचित कराना हम सभी का दायित्व है, ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहें और राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाएं।

सांसद सीपी जोशी बोले- राहुल गांधी फेल्योर स्टूडेंट

वे जनता के सामने खुद को साबित नहीं कर पाए; कांग्रेस राज में पेपरलीक माफिया को मिला संरक्षण

भीलवाड़ा।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने कांग्रेस पर नीट पेपर लीक मामले में देश के युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया है।

भीलवाड़ा आए सांसद ने पार्टी के जिला ऑफिस में मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा- राहुल गांधी एक फेलियर स्टूडेंट की तरह हैं, जो अपने आप को देश की जनता के सामने साबित नहीं कर पाए और यह बात उन्होंने खुद भी साबित कर दी है। सांसद जोशी ने राजस्थान के पिछले घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए जनता को कांग्रेस और भाजपा के बीच का अंतर समझाया। उन्होंने कहा कि लोग दोनों पार्टियों के काम करने के तरीके को बखूबी समझते हैं। कांग्रेस के राज में राजस्थान में लगातार लगभग 19 बार पेपर लीक की घटनाएं हुई।

श्रीनाथजी को लगाया सवा लाख आमों का भोग

राजसमंद। नाथद्वारा में पुष्टिमार्गीय प्रधान पीठ श्रीनाथजी मंदिर में आज(रविवार) को ज्येष्ठाभिषेक स्नान उत्सव परंपरागत विधि-विधान और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस मौके पर प्रभु का विशेष श्रृंगार किया गया और उन्हें सवा लाख से अधिक आमों का भोग अर्पित किया गया। मान्यता के अनुसार- बृजवासियों की ओर से ऋतुफल के रूप में प्रभु को आम भेंट किए गए थे, इसी परंपरा के तहत ज्येष्ठाभिषेक के अवसर पर आमों का विशेष भोग लगाया जाता है। बाद में प्रसाद स्वरूप आमों का वितरण श्रद्धालुओं में किया गया। मंदिर प्रशासन ने बताया कि ज्येष्ठा नक्षत्र के मौके पर तिलकायत महाराज की आज्ञा से युवाचार्य गोस्वामी विशाल बावा और लाल बावा ने श्रीनाथजी प्रभु व लाडले लाल को सुगंधित अधिवासित यमुना जल से स्वर्ण जड़ित शंख से ज्येष्ठाभिषेक स्नान कराया।

मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च सम्मान

संसद को संबोधित किया, बोले- सेशेल्स से हमारा 256 साल पुराना रिश्ता, 5 भारतीयों से हुई इसकी शुरुआत

विक्टोरिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मोदी को अब तक 34 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है। सम्मान मिलने पर मोदी ने सेशेल्स की जनता, सरकार और राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी का आभार जताया।

पीएम मोदी ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित किया। ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि सेशेल्स से भारत का रिश्ता सिर्फ 50 साल पुराना नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत अगस्त 1770 में हुई थी। जब थेलेमाक जहाज से यहां 5 भारतीय पहुंचे थे। मोदी ने कहा कि जब लोग दुनिया का नक्शा देखते हैं, तो उन्हें सेशेल्स हिंद महासागर में बसे कुछ छोटे-छोटे द्वीपों का एक समूह दिखाई देता है। लेकिन हमारे लिए सेशेल्स सिर्फ द्वीपों का समूह नहीं, बल्कि इससे कहीं बढ़कर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पर्यावरण की रक्षा, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने और लंबे समय तक पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिशा में किए गए काम के लिए मिला है।

पर्यावरण के क्षेत्र में मोदी को अब तक 3 बड़े अवार्ड मिल चुके हैं। इससे पहले मई 2026 में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी खाद्य एवं कृषि संगठन ने उन्हें एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया था। संयुक्त राष्ट्र ने साल 2018 में प्रधानमंत्री मोदी को अपना सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवॉर्ड प्रदान किया था।

हिंद महासागर में सुरक्षा सेशेल्स और भारत के बीच संबंधों के लिए जरूरी : राष्ट्रपति हर्मिनी

सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने रविवार को कहा कि हिंद महासागर में सुरक्षा उनके देश और भारत के बीच संबंधों के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने पाइरेसी, ड्रग ट्रैफिकिंग, गैर-कानूनी मछली पकड़ने और बॉर्डर पार क्राइम से निपटने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत बहुत व्यापक और भविष्य को ध्यान में रखने वाली थी। यह बातचीत दोनों देशों के बीच गहरे दोस्ताना संबंधों और आपसी भरोसे को दर्शाती है। रष्ट्रपति हर्मिनी ने कहा कि भारत और सेशेल्स ने एक बार फिर इस बात को दोहराया है कि दोनों देशों की साझेदारी समान भौगोलिक स्थिति, इतिहास और एक स्थिर, सुरक्षित और समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण पर आधारित है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सस्टेनेबिलिटी, आर्थिक विकास और सुरक्षा के लिए संयुक्त विजन को लागू करने पर विशेष चर्चा हुई, जिसे सेशेल्स ने इस साल पहले अपनाया था। यह ढांचा सभी क्षेत्रों में सहयोग की दिशा तय करता है। उन्होंने भारत के लगातार समर्थन के लिए आभार जताया।

राष्ट्रपति ने कहा कि विकास साझेदारी भारत-सेशेल्स संबंधों का एक मजबूत आधार है। दोनों देशों ने कई समझौते किए है, जिनसे विदेश सेवा, डिजिटल बैंकिंग, स्वास्थ्य, कृषि, समुद्र विज्ञान, प्रत्यर्पण, अंतरिक्ष अनुसंधान और नए राष्ट्रीय अस्पताल के निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि समुद्री सुरक्षा दोनों देशों के रिश्तों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दोनों देश हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा, समुद्री डकैती, नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और सीमा पार अपराधों से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सेशेल्स ने भारत द्वारा दिए गए समर्थन, जैसे समुद्री निगरानी, हाइड्रोग्राफी और रक्षा क्षमता बढ़ाने की सराहना की। राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने बताया कि भारत ने सेशेल्स को 175 मिलियन डॉलर का विशेष आर्थिक पैकेज देने की घोषणा की है, जिसमें सामाजिक आवास, परिवहन, कौशल विकास, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। यह बैठक दोनों देशों के रिश्तों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और आने वाले समय में सहयोग और तेज होगा। राष्ट्रपति ने यह भी बताया कि भारत की मदद से एक प्रोफेशनल और टेक्निकल एजुकेशन सेंटर की नींव रखी गई है, जिससे युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा।

मन की बात

भारत समुद्र से आकाश तक सुरक्षित : मोदी

कहा : देश में 40 से ज्यादा सी-295 विमान बनाए जा रहे, योग में भारत ने 114 पदक जीते

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा, भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। पीएम मोदी ने कहा- जून के महीने में ही देश ने विमानन क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। मेड इन इंडिया अभियान के तहत तैयार किए गए सी-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी कर ली है। वर्तमान में ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के कई कार्यक्रम हुए। भारत ने अहमदाबाद में आयोजित विश्व योगासन चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 114 मेडल जीते हैं। इनमें 102 गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। भारत पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा है।

मन की बात में नॉर्थईस्ट के 3 राज्यों का जिक्र

शादी के लिए सोना रीसाइकल कर रहे लोग पीएम मोदी ने कहा कि मैंने बीते दिनों लोगों से कुछ समय तक सोना ना खरीदने, विदेश यात्रा टालने या कार पूलिंग की अपील की थी मैं देश के हर नागरिक का आभारी हूं कि मेरी अपील का उन्होंने न सिर्फ समर्थन किया बल्कि उसमें सहयोग कर रहे हैं. कई परिवारों ने तय किया है कि घर के विवाह में सोना नहीं खरीदेंगे. जरूरत हुई तो वे पुराने सोने को ही रिसाइकल करेंगे. कई लोगों ने कार पूलिंग के अनुभव भी साझा किए हैं. मुझे इस बात की खुशी है कि हम भारतीय इस संकट से मिलकर मुकाबला कर रहे हैं.

असम: हरगिला आर्मी ने पुरानी सोच बदली

पीएम मोदी ने कहा कि असम में एक पक्षी पाया जाता है। उसका नाम हरगिला है। हरगिला एक दुर्लभ पक्षी है। ये प्रकृति को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन असम के कुछ इलाकों में लंबे समय तक इसे अशुभ माना जाता था। लोग इसे अपने आसपास देखना पसंद नहीं करते थे। कई बार उन पेड़ों को भी काट दिया जाता था जिन पर हरगिला के घोसले बने होते थे। इसी दौरान जीव-वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन ने ये सब देखा। उन्होंने लोगों के मन में बैठी गलत धारणा को बदलने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में जन सहभागिता की ताकत को बताया भारत की बड़ी पूंजी : मुख्यमंत्री

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के '135वें संस्करण' में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिविल सेवा परीक्षा एवं भारतीय वन सेवा परीक्षा-2025 में चयनित राजस्थान के अभ्यर्थियों के साथ मुख्यमंत्री निवास पर इस कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रक्षा के क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता, वैश्विक परिस्थितियों के बीच संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए कार पूलिंग एवं प्राकृतिक खेती को मिल रहे बढ़ावे, महाराष्ट्र के एक परिवार की विवाह अवसर पर हजारों लोगों के लिए दुर्घटना बीमा कराने की प्रेरक पहल, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को मिले सुरक्षा कवच, असम में 'हरगिला' पक्षी संरक्षण के लिए महिलाओं द्वारा संचालित अभियान, नागालैंड में बच्चों और बेटियों के लिए फुटबॉल एवं फुटसल लीग, नालंदा विश्वविद्यालय में शास्त्रार्थ की परंपरा को पुनर्जीवित करने तथा सेंट्रल संस्कृत विश्वविद्यालय की कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा साइंस पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की पहल, मेघालय के जीवित रूट ब्रिजों को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के प्रयासों और मध्यप्रदेश में महिलाओं द्वारा प्लास्टिक कचरे से ईको-ब्रिक्स बनाकर पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों का उल्लेख किया।

रामर्मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

8 आरोपियों के घर पुलिस की एकसाथ छापेमारी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद 8 आरोपियों के घरों पर रविवार सुबह 7 बजे पुलिस की 8 टीमों ने एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 3 आरोपियों के घर पर ताला लगा था। पुलिस ने पड़ोसियों से सवाल-जवाब किए। चंपत राय के करीबी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर पर ताला लगा मिला। आरोपी अनुकल्प मिश्रा के घर पर भी छापेमारी हुई। खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाले गए। पुलिस को अनुकल्प के घर डायरी और कुछ अहम दस्तावेज मिले हैं। पुलिस का मानना है कि डायरी राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण से संबंधित है। छापेमारी में राजस्व अधिकारियों खासकर लेखपालों को शामिल किया गया। पुलिस ने दोपहर 3 बजे तक करीब 8 घंटे जांच की। इस दौरान राम मंदिर से जुड़ने के बाद आरोपियों के लाइफ स्टाइल में आए बदलाव को लेकर पड़ताल की गई।

आरोपियों के घर पुलिस की छापेमारी में क्या हुआ?

रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू: राम मंदिर से 2 किमी दूर स्वर्गद्वार मोहल्ले में टिन्नू के दो मंजिला मकान पर ताला लगा मिला। कुछ देर बाद टिन्नू की मां मौके पर पहुंचीं और ताला खोला। पुलिस ने घर में रखे कागजातों, बक्सों और अलमारी की तलाशी ली। परिजन से पूछताछ की।

मनीष यादव: टिन्नू के घर के बगल में आरोपी भतीजे मनीष यादव के घर पर भी छापेमारी हुई। वहां भी ताला लगा मिला। दो मंजिला मकान में रह रहे किराएदारों से पुलिस ने मनीष के बारे में सवाल किए।

लवकुश मिश्रा: रुदौली स्थित घर स्थानीय पुलिस पहुंची तो लवकुश के दादा 72 साल के जगदंबा मिश्रा बाहर बैठे दिखे। उनसे पूछताछ हुई।

सुभाष चंद्र श्रीवास्तव: अंजनीपुरम स्थित घर में छापेमारी हुई। घर पर ताला मिला। पुलिस ने पड़ोसियों से बातचीत की। सुभाष की संपत्ति और लाइफस्टाइल के बारे में जानकारी जुटाई।

अनुकल्प मिश्रा: कौशलपुरी स्थित घर पर पुलिस पहुंची तो मां ने दरवाजा खोला। 3 पुलिसवाले घर के अंदर गए। संपत्तियों के दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाली। परिवारवालों से पूछताछ की। पड़ोसियों से भी सवाल-जवाब किए।

अविनाश शुक्ला: कौशलपुरी में घर पर पुलिस को कोई नहीं मिला। पास में किराना स्टोर चलाने वाले राहुल कुमार से पुलिस ने पूछताछ की। उन्होंने बताया- अविनाश किराए पर रहते हैं। योग सेंटर से जुड़े हुए थे। घर कहीं गांव में है।

रमाशंकर मिश्रा: नया घाट में आरोपी के पिता ने छन्नू लाल मिश्र ने बताया- पुलिस आई थी। बक्सा और अलमारी देखी। जांच के बाद चले गए। घर में कुछ नहीं मिला। कुछ कागजों पर साइन करवाए। रमाशंकर करीब 6 साल से मंदिर के लिए काम कर रहा था।

राजस्थान में तेज हवा, ओले और बारिश का खतरा

जयपुर।

राजस्थान में 28 जून 2026 की शाम मौसम ने एक बार फिर करवट ली. कई जिलों में शाम के बाद आसमान में बादल छाए रहे और जगह-जगह हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक देखने को मिली. मौसम विभाग के अनुसार राज्य में पश्चिमी विक्षोभ का असर बना हुआ है, जिसके चलते आने वाले दिनों में भी मौसम अस्थिर रहने की संभावना है.

कई जिलों में गरज-चमक और बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर, डीडवाना-कुचामन, अजमेर, भीलवाड़ा, उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सलूम्बर, प्रतापगढ़, कोटा, झालावाड़, बारां, चित्तौड़गढ़, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली, दौसा, अलवर, कोटपूतली बहरोड़, डीग, भरतपुर, धौलपुर, खैरथल-तिजारा, हनुमानगढ़ तथा ब्यावर जिलों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम मेघगर्जन, गरज-चमक के साथ 30-40 किमी/घंटा की तेज हवाएं, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है.

शाम के बाद बदला मौसम का मिजाज

दिनभर जहां कई इलाकों में उमस और गर्मी बनी रही, वहीं शाम ढलते ही कई हिस्सों में मौसम बदल गया. कुछ जगहों पर तेज हवा चली और बादलों की आवाजाही के बीच रुक-रुककर बारिश भी हुई. लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन बिजली गिरने की आशंका को लेकर सतर्कता भी बढ़ी रही.

पिछले 24 घंटे का मौसम हाल-पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई. पूर्वी राजस्थान के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश भी हुई. बांसवाड़ा के दानपुर में सर्वाधिक 75.0 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई. वहीं फलौदी में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सबसे अधिक रहा.

तापमान में भी उतार-चढ़ाव-राज्य में न्यूनतम तापमान संगरिया (हनुमानगढ़) में 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान अलवर में 23.0 डिग्री सेल्सियस रहा. दिन और रात के तापमान में अंतर के कारण कई जगह मौसम अस्थिर बना हुआ है.

अगले कुछ दिनों का मौसम पूर्वानुमान-मौसम विभाग का अनुमान है कि बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर और कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में अगले 4 से 5 दिन तक 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है. कई जगहों पर मेघगर्जन भी देखने को मिलेगा.

जुलाई में बढ़ेगी बारिश की गतिविधि-मौसम विशेषज्ञों के अनुसार जुलाई के पहले सप्ताह में राजस्थान के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां और तेज होने की संभावना है. मानसून धीरे-धीरे पूरे राज्य में सक्रिय होता नजर आएगा.

जिन्होंने राम का विरोध किया, वो आज सबसे ज्यादा चिल्ला रहे : राठौड़

नई दिल्ली. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने एक साथ कई बड़े राजनीतिक मुद्दों पर विपक्ष को घेरा. अयोध्या राम मंदिर में मिले दान पर उठ रहे सवाल हों, उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर कांग्रेस के आरोप हों, केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी पर सब्सिडी का मामला हो या फिर बीजेपी का डिजिटल प्रशिक्षण अभियान राठौड़ ने हर मुद्दे पर कांग्रेस और विपक्ष को आड़े हाथ लिया.

विपक्ष की मंशा पर खड़े किए सवाल

अयोध्या में भगवान श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले दान और कथित गड़बड़ियों पर उठ रहे सवालों पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष की मंशा पर ही सवाल खड़े कर दिए. राठौड़ ने कहा कि जिन लोगों ने कभी राम मंदिर आंदोलन का विरोध किया, भगवान श्रीराम के अस्तित्व तक को कोर्ट में चुनौती दी, जिन्होंने मंदिर निर्माण में कोई सहयोग नहीं दिया, वही आज सबसे ज्यादा सवाल उठा रहे हैं. जिन्होंने राम निर्माण के लिए एक रूपया तक नहीं दिया, वो ही आज सबसे ज्यादा चिल्ला रहे हैं. उन्होंने कहा कि जिसने मंदिर निर्माण में योगदान दिया है, वही सवाल पूछने का नैतिक अधिकार रखता है. वहीं विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी चंपत राय का बचाव करते हुए राठौड़ ने उन्हें निष्कलंक और ईमानदार व्यक्ति बताया. उन्होंने कहा कि अगर किसी स्तर पर कोई अपराध हुआ है तो कानून अपना काम करेगा, लेकिन बिना तथ्य किसी व्यक्ति की छवि खराब करना उचित नहीं है.

जिसने खाई राम की पाई...

अखिलेश यादव ने नए नारे से बीजेपी को घेरा

नई दिल्ली

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज में भाजपा पर आस्था के नाम पर धन की राजनीति करने का आरोप लगाया और एक नया नारा जिन्होंने चुराई राम की पाई उछाला है। उन्होंने अयोध्या दान पेटी में कथित घोटाले को भाजपा की बड़ी चोरी करार देते हुए कहा कि भगवान ने खुद उनका सच सामने ला दिया है।

अखिलेश यादव ने प्रयागराज में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा पर तीखा हमला बोला है। अयोध्या और राम मंदिर के मुद्दे पर सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा विपक्ष पर किए गए हमलों का करारा जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि बीजेपी आस्था के नाम पर सिर्फ धन और डोनेशन की राजनीति कर रही है।

उन्होंने कहा कि जो लोग हमेशा नेशन फर्स्ट की बातें करते थे, आज उनके एक्शन से लग रहा है कि उनके लिए डोनेशन फर्स्ट ही सब कुछ बन चुका है। अखिलेश ने साफ किया कि समाजवादी लोग भी सनातन धर्म की रक्षा चाहते हैं, लेकिन इसकी आड़ में कोई गोरखधंधा या खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बीजेपी के शब्दकोश में न धर्म बचा है, न शर्म-प्रेस कॉन्फ्रेंस में सपा प्रमुख ने अयोध्या की दान पेटी में हुई कथित गड़बड़ियों को लेकर बीजेपी को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा, क्या कोई सोच भी सकता था कि लोगों की अटूट श्रद्धा और आस्था के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ होगा? यह पूरी तरह इनकी चतुराई और चालबाजी है। अखिलेश ने मांग की कि अयोध्या के सीसीटीवी फुटेज सामने आने चाहिए ताकि जनता को पता चले कि कितनी बार कैमरों को बंद किया गया था।

32 साल बाद हकीकत बनने जा रहा राजस्थान का यमुना जल अधिकार, जानिए किन जिलों को होगा अधिक फायदा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजस्थान के लिए बहु प्रतीक्षित यमुना जल परियोजना के पूरा होने के लिहाज से आज बड़ा दिन है. दिल्ली के कर्तव्य भवन-3 में 11:30 बजे राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल परियोजना के निर्माण और क्रियान्वयन को लेकर MoA (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे. कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहेंगे. इसके अलावा केंद्रीय गृह सचिव, केंद्र सरकार और दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे.

कागजों तक सीमित रहा पानी

राजस्थान को यमुना नदी के पानी में हिस्सा वर्ष 1994 में ही मिल गया था, लेकिन तीन दशक तक यह अधिकार केवल कागजों तक सीमित रहा. अब राजस्थान और हरियाणा के बीच समझौते (एमओए) के बाद इस लंबे समय से अटकी परियोजना को जमीन पर उतारने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है.

क्या है यमुना जल समझौता

12 मई 1994 को केंद्र सरकार की पहल पर यमुना बेसिन के राज्यों के बीच जल बंटवारे का समझौता हुआ था. इस समझौते के तहत राजस्थान को यमुना नदी के उपलब्ध जल में 10.4 प्रतिशत हिस्सा दिया गया. इसके अनुसार राजस्थान को हर साल करीब 577 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) पानी मिलने का अधिकार है.

हालांकि, पानी का अधिकार मिलने के बावजूद उसे राजस्थान तक पहुंचाने के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचा तैयार नहीं हो सका. यही वजह रही कि पिछले करीब 30 वर्षों तक राजस्थान अपने हिस्से के पानी का उपयोग नहीं कर पाया.

पाइपलाइन से अएगा पानी

राजस्थान और हरियाणा के बीच हुए एमओए का उद्देश्य 1994 के समझौते को लागू करना है. इसके तहत हरियाणा से राजस्थान तक यमुना का पानी पहुंचाने के लिए पाइपलाइन आधारित व्यवस्था विकसित की जाएगी. दोनों राज्यों के बीच परियोजना के तकनीकी, वित्तीय और क्रियान्वयन से जुड़े बिंदुओं पर सहमति बनाई जा रही है.

प्रस्तावित योजना के अनुसार, हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से राजस्थान तक भूमिगत पाइपलाइन के जरिए पानी पहुंचाया जाएगा. यह परियोजना राजस्थान के हिस्से के पानी को सुरक्षित तरीके से राज्य तक लाने की व्यवस्था करेगी.

शेखावटी क्षेत्रों को अधिक लाभ

इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ शेखावाटी क्षेत्र को मिलने की उम्मीद है. इसमें सीकर, झुंझुनू और चूरू जिले प्रमुख रूप से शामिल हैं. भविष्य में जल वितरण नेटवर्क के विस्तार के साथ अन्य क्षेत्रों को भी इसका लाभ मिल सकता है.

इन जिलों में वर्षों से भूजल स्तर लगातार गिर रहा है. कई इलाकों में फ्लोराइड और खारे पानी की समस्या भी गंभीर है. यमुना का पानी मिलने से पेयजल संकट कम होने की उम्मीद जताई जा रही है.

सरकार का कहना है कि भूमिगत पाइपलाइन से पानी लाने पर वाष्पीकरण और रिसाव से होने वाली हानि कम होगी. साथ ही जमीन अधिग्रहण की आवश्यकता भी सीमित रहेगी और पानी को सीधे पेयजल आपूर्ति प्रणाली से जोड़ा जा सकेगा.

32 साल पुराने मुद्दे पर बनी सहमति

करीब 32 साल पुराने इस मुद्दे पर सहमति बनने को राजस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है. यह कोई नया जल बंटवारा नहीं है, बल्कि 1994 में मिले राजस्थान के वैधानिक हिस्से को पहली बार वास्तविक रूप से राज्य तक पहुंचाने की प्रक्रिया है. यदि परियोजना तय समय पर पूरी होती है तो इसे राजस्थान की सबसे महत्वपूर्ण पेयजल परियोजनाओं में शामिल किया जाएगा और शेखावाटी क्षेत्र के लाखों लोगों को स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है.

राजस्थान में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 15,800 करोड़ का मेगा प्लान, छोटे शहरों की बदल जाएगी तस्वीर

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजस्थान में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए मेगा प्लान तैयार किया गया है. सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज, ठोस कचरा प्रबंधन, स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए योजना तैयार कर ली गई है. अगले 5 साल के दौरान करीब ?15,800 करोड़ खर्च होंगे. इससे प्रदेश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और नागरिक सुविधाओं के विस्तार को रफ्तार मिलेगी. केंद्र सरकार द्वारा गठित %अर्बन चैलेंज फंड% (ष्टस्न) के जरिए स्थानीय निकायों को मदद मिलेगी. इस संबंध में स्वायत्त शासन विभाग और हुडको के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं. एमओयू होने के बाद शहरी स्थानीय निकायों को परियोजना निर्माण, डीपीआर तैयार करने और वित्तीय संसाधनों के बेहतर उपयोग में तकनीकी सहयोग उपलब्ध होगा.

नगरीय विकास मंत्री बोले- 4 गुना तेजी से होगा राजस्थान का विकास

स्वायत्त शासन और नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बताया कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण आधारभूत सुविधाओं की डिमांड लगातार बढ़ रही है. ऐसे में आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शहरी अवसंरचना का विकास 4 गुना गति से करना ही राज्य सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने कहा, 'अर्बन चैलेंज फंड के तहत हुडको के सहयोग से परियोजनाओं का निर्माण डीपीआर तैयार की जा रही है. समयबद्ध तरीके से विकास कार्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में यूसीएफ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.'

छोटे शहरों को भी मिलेगा विकास का लाभ

दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा स्थापित अर्बन चैलेंज फंड एक प्रतिस्पर्धी वित्तपोषण व्यवस्था है. देशभर में ?4 लाख करोड़ की आधारभूत परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर जोर है. इसका 25 फीसदी हिस्सा यानी 1 लाख करोड़ केंद्र की ओर से दिया जाता है. शेष राशि में 25 फीसदी राज्य सरकार-स्थानीय निकायों और 50 प्रतिशत वित्तीय संस्थानों/हुडको के माध्यम से मिलता है. परियोजनाओं की गुणवत्ता, नवाचार, समावेशिता और बैंकेबिलिटी के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है. यूसीएफ की खास बात यह है कि इसके जरिए टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी आधुनिक सुविधाओं का विकास होगा.

केंद्र सरकार से राजस्थान को मिलेंगे 3,950 करोड़ रुपये

राजस्थान में यूसीएफ के तहत लगभग 15,800 करोड़ की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं. इनमें केंद्र सरकार लगभग 3,950 करोड़ का योगदान देगी. स्वायत्त शासन विभाग के सचिव रवि जैन ने अधिकारियों से समावेशी, व्यावहारिक और बैंकेबल परियोजनाओं की पहचान कर गुणवत्तापूर्ण डीपीआर तैयार करने की बात कही.

पचपदरा रिफाइनरी परिसर में होगा लोकार्पण समारोह, सीएम भजनलाल ने तैयारियों का लिया जायजा

द अनकवर्ड अपडेट

राजस्थान के बालोतरा में पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण समारोह की तैयारी फिर से तेज हो गई है. पीएम मोदी के 04 जुलाई को प्रस्तावित दौरे को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को पचपदरा स्थित रिफाइनरी पहुचे. जहां पर 4 जुलाई को प्रस्तावित लोकार्पण समारोह की तैयारियों का जायजा लिया. मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में ॥त्रक्रु के अधिकारियों और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर कार्यक्रम की तैयारियों का बारीकी से फीडबैक लिया. बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सुरक्षा व्यवस्था, प्रोटोकॉल, यातायात, पार्किंग, मंच व्यवस्था, अतिथियों के स्वागत, पेयजल, चिकित्सा सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की.

सीएम ने ली समीक्षा बैठक

सीएम भजनलाल ने अधिकारियों को सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे और लोकार्पण समारोह का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जा सके. मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी पचपदरा पहुंचे. मुख्यमंत्री करीब डेढ़ घण्टे तक रिफाइनरी परिसर में बैठक ली. इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर लोकार्पण समारोह से जुड़ी सभी तैयारियों की जानकारी ली.

सांभरा आशापुरा माता मंदिर पहुंचे मुख्यमंत्री

रिफाइनरी से निकलने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रिफाइनरी के पास स्थित सांभरा आशापुरा माता मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर रिफाइनरी की सफलता व प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना की. इस अवसर पर राजस्थान रिफाइनरी में तैयार किए गए उत्पाद का सैंपल भी मां आशापुरा को समर्पित किया. इसको रिफाइनरी परियोजना के शुभारंभ और प्रदेश की उन्नति का प्रतीक माना गया.

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में एक ऐतिहासिक कार्य होने जा रहा है, जिसका प्रदेश को कई वर्षों से इंतजार था. उन्होंने कहा कि ये राजस्थान के भाग्य को बदलने वाली रिफाईनरी है, युवाओं को रोजगार देने वाली रिफाइनरी है. इस रिफाइनरी से प्रदेश की औद्योगिक प्रगति को नई गति मिलेगी, निवेश बढ़ेगा. पचपदरा रिफाइनरी केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि पश्चिमी राजस्थान के आर्थिक विकास का नया अध्याय है. इसके शुरू होने से क्षेत्र में उद्योग, व्यापार और आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार होगा तथा स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आएगा.

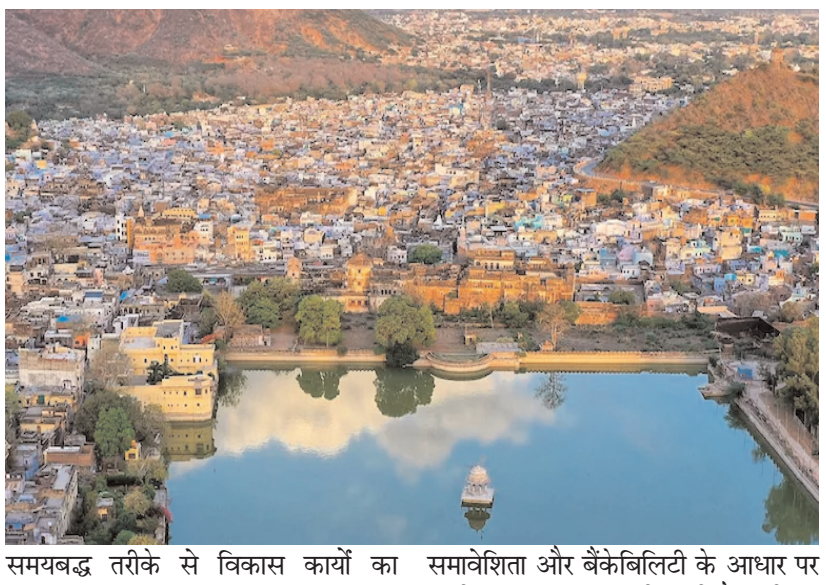

इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजस्थान रिफाइनरी का लोकार्पण समारोह रिफाइनरी परिसर के अंदर ही आयोजित किया जाएगा. पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रमों की तुलना में इस बार आयोजन को संक्षिप्त रखा गया है और किसी सार्वजनिक जनसभा का आयोजन नहीं होगा. कार्यक्रम में सीमित संख्या में अतिथियों की मौजूदगी रहेगी, जबकि प्रदेशभर के जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर तक लोगों को वर्चुअल माध्यम से जोड़ा जाएगा. कार्यक्रम का राज्यभर में सीधा प्रसारण भी किया जाएगा ताकि आमजन भी ऐतिहासिक लोकार्पण के साक्षी बन सकें.

पुलिस लाइन बूंदी में रेस्क्यू टीम बी-7 का आकस्मिक निरीक्षण

द अनकवर्ड अपडेट

बूंदी। डिप्टी कमांडेंट (रेस्क्यू एवं प्रशासन) राकेश पाल ने पुलिस लाइन बूंदी में तैनात बी कंपनी कोटा की रेस्क्यू टीम बी-7 का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कम्पनी कमांडर एकता हाड़ा, पुलिस लाइन बूंदी के आरआई (RI) बहादुर सिंह तथा नागरिक सुरक्षा विभाग एवं जिला कन्ट्रोल रूम बून्दी प्रभारी अधिकारी सत्यवान शर्मा मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कमांडेंट ने रेस्क्यू टीम बी-7 की उपस्थिति, अनुशासन, उपकरणों की उपलब्धता तथा आपदा राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने जवानों को निर्देश दिए कि प्रत्येक रेस्क्यू अभियान में व्यक्तिगत सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा सभी सुरक्षा मानकों और निर्धारित एसओपी की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के अंत में डिप्टी कमांडेंट राकेश पाल ने बी-7 के जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सतर्कता, अनुशासन और जनसेवा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

गुब्बारों, खेल और उपहारों के बीच बच्चों ने पी पोलियो की दो बूंद, कुम्भा सर्किल बूथ बना आकर्षण का केंद्र

जवाहर फाउंडेशन व सीएमएचओ कार्यालय की संयुक्त पहल, अभिभावकों को पोलियो उन्मूलन का दिया संदेश

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को कुम्भा सर्किल स्थित पोलियो बूथ पर जवाहर फाउंडेशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय, भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में विशेष पोलियो बूथ का सफल आयोजन किया गया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक दो बूंदें पिलाई गई तथा अभिभावकों को पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूक किया गया। बूथ को बच्चों के अनुकूल और आकर्षक बनाने के लिए रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया। साथ ही खेल गतिविधियों एवं छोटे-छोटे उपहारों की व्यवस्था की गई, जिससे बच्चों में उत्साह का माहौल रहा और अभिभावक भी अपने बच्चों को लेकर बड़ी संख्या में बूथ पर पहुंचे। स्वयंसेवकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उपहार भेंट किए और पोलियो अभियान में सहभागिता का संदेश दिया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अभिभावकों को बताया कि प्रत्येक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाना आवश्यक है। यह दो बूंदें बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। इस अवसर पर जवाहर फाउंडेशन की टीम, सीएमएचओ कार्यालय के स्वास्थ्यकर्मी, आशा सहयोगिनी, एएनएम एवं स्वयंसेवकों ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ अपनी सेवाएं प्रदान कीं। सभी ने नागरिकों से आह्वान किया कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे और स्वस्थ, सुरक्षित एवं पोलियो मुक्त भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के समापन पर जवाहर फाउंडेशन ने इस जनहितकारी अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले स्वास्थ्य विभाग, प्रशासन, स्वयंसेवकों एवं सभी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्था ने कहा कि सामाजिक सहभागिता और जन जागरूकता के माध्यम से ही पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।

रावणा राजपूत समाज को एकजुट करने और शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर, बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर बनी सहमति

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान की प्रदेश महिला महामंत्री निशा कंवर गौड़ के नेतृत्व में रविवार को समाज के वरिष्ठजनों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज की एकजुटता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में समाज के वरिष्ठजन लादू सिंह राणावत, प्रहलाद सिंह चौहान, रतन सिंह सांखला एवं हिम्मत सिंह राणावत सहित अन्य समाजबंधुओं ने भाग लिया। इस दौरान निर्णय लिया गया कि समाज की पहचान एक समान रूप से 'रावणा राजपूत' नाम से स्थापित करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही सरकार द्वारा प्रस्तावित जातिगत जनगणना में समाज के सभी लोग जाति कॉलम में ÷रावणा राजपूत÷ अंकित करें, इसके लिए भी समाजबंधुओं को प्रेरित किया जाएगा।

बैठक में समाज के मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए भामाशाहों के सहयोग से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास तेज करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने, महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज की मातृशक्ति तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाने पर भी सहमति बनी।

प्रदेश महिला महामंत्री निशा कंवर गौड़ ने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सामाजिक स्तर पर महिलाओं को जागरूक एवं संगठित करने के निरंतर प्रयास किए जाएंगे, ताकि वे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक नेतृत्व में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें।

बैठक में एडवोकेट पीरू सिंह गौड़, राजू सिंह, आशीष सिंह, अभिषेक सिंह, महेंद्र सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

किडनी-लीवर दान करने वाले कर्मचारियों को तबादलों में मिलेगी प्राथमिकता, राजस्थान रोडवेज में नई ट्रांसफर पॉलिसी

द अनकवर्ड अपडेट

राजस्थान रोडवेज में कर्मचारियों के तबादलों को लेकर लंबे समय से बना इंतजार खत्म हो गया है. रोडवेज बोर्ड बैठक में मुहर लगने के बाद प्रबंधन ने नई 'ट्रांसफर पॉलिसी' लागू कर दी है. हालांकि, इससे पहले 4 फरवरी 2026 को इसके आधिकारिक आदेश जारी किए गए थे, जिसे अब लागू किया गया है. इस नई नीति में प्रशासनिक व्यवस्था के लिए कड़े नियम के साथ मानवीय और संवेदनशील पहलुओं को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है.

ट्रांसफर होने के 2 साल के भीतर फिर तबादला नहीं होगा

नीति को पारदर्शी बनाए रखने और बार-बार होने वाले प्रशासनिक फेरबदल पर रोक लगाने के लिए एक बड़ा प्रावधान किया गया है. अगर किसी कार्मिक का एक बार किसी स्थान से स्थानांतरण कर दिया जाता है, तो उसे आगामी 2 साल से पहले दोबारा उसी स्थान पर तैनात नहीं किया जा सकेगा. इस कदम से बेवजह की राजनीतिक सिफारिशों और बार-बार होने वाले तबादलों पर लगाम लगेगी.

गंभीर बीमारियों से पीड़ित कर्मचारियों को राहत

नीति में सामाजिक सरोकार और अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए एक बेहद संवेदनशील और अनूठा फैसला लिया गया है. किडनी या लीवर दान करने वाले रोडवेज कार्मिकों को अंगदान के बाद शुरुआती 3 वर्षों तक अपनी पसंद के स्थान पर तबादले के लिए पहली प्राथमिकता दी जाएगी. गंभीर और असाध्य बीमारियों से पीड़ित कर्मचारियों को भी वरीयता देते हुए सबसे पहले राहत पहुंचाई जाएगी.

अलग-अलग जिलों में पदस्थापित पति-पत्नी को भी छूट

रोडवेज प्रशासन ने विशेष श्रेणियों के तहत आने वाले कार्मिकों को भी राहत दी है. दिव्यांगजन, विधवा, एकल महिला, परित्यक्ता और विधुर पुरुष कार्मिकों को गृह जिले या सुविधाजनक स्थानों पर नियुक्ति में प्राथमिकता मिलेगी. एक ही सेवा या सरकारी सेवाओं में होने के बावजूद अलग-अलग जिलों में पदस्थापित पति-पत्नी को भी छूट रहेगा.

'मैं खटीक हूं, बख्शूंगा नहीं' राजस्थान के सरकारी टीचर्स को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की दो टूक

द अनकवर्ड अपडेट

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एक बार फिर से टोंक में बेबाक अंदाज में भाषण देते नजर आए. खटीक समाज अधिकारी-कर्मचारी द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान मदन दिलावर ने स्कूल में शिक्षकों के व्यवहार को मर्यादित ओर संस्कारी बनाने पर जोर देते हुए कहा कि टीचर किधर देख रहा, क्या कर रहा. इन सबका बच्चों पर प्रभाव पड़ता है. शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि हम छोटी सी छोटी पंचायत को साफ सफाई के लिए प्रति माह एक लाख रुपए देते हैं, कोई पंचायतें नहीं करती हैं तो हम उन्हें दंडित भी करते हैं. कई बार मंत्री कन्हैया लाल जी, जिलाध्यक्ष चंद्रवीर जी नाराज हो जाते और कहते हैं कि ये तो हमारी पार्टी का सरपंच था क्यों कार्रवाई कर दी, मामाजी का लड़का था क्यों कार्रवाई कर दी. इसके खिलाफ कार्रवाई क्यों कर दी, लेकिन मैं किसी को छोड़ता नहीं हूं, गंदगी ठीक नहीं है.

लापरवाही पर मदन दिलावर सख्त

मदन दिलावर ने सफाई को लेकर कहा कि गंदगी बीमारियां करती हैं और ये बीमारियां हमारा अस्पताल में ले जाकर पैसा खर्च करवाती है. बीमारियां कभी कभी मार भी देती है. इसलिए हम लोगों को मरना नहीं देखना चाहते है. इसलिए हम राजस्थान को खूब साफ सुधरा दिखना चाहिए चाहते हैं. इसलिए हमने सब अधिकारियों को कहा कि कह रखा है कि राजस्थान साफ सुधरा दिखना चाहिए. इसमें जो लापरवाही करेगा, उसे एक बार तो चेतावनी देंगे और दूसरी बार छोड़ेंगे नहीं, चाहे खटीक समाज को हो या मंत्री कन्हैया लाल जी के समाज का ही क्यों नहीं हो. किसी भी समाज का हो, किसी को छोड़ेंगे नहीं, उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे.

मदन दिलावर ने आगे कहा कि हमने बहुत सारी गालियां भी खाई हैं. अध्यापक मेरे से बहुत नाराज हैं, पता नहीं ये कौन-कौन से नियम लाता रहता है. कौन-कौन सी बात कहता रहता है. कभी तो कहता है कि मोबाइल स्कूल में लेकर नहीं आईए. कभी कहता है, 80 में से 40 नंबर लाना पड़ेगा. कभी कहता शराब पीने वाले और गुटका खाने वाले की सूची बनाइए, हां ये सब जरूरी हो गया.

हमारे यहां कोई भी विषय होता है, बीस अंक सत्रांक के दे देते हैं, हालांकि हमने वाईफ्रेकेशन कर रखा है. फिर भी 18-19 नंबर दे देते हैं, बाकि 80 अंक के पेपर में से 13 नंबर लाने वाला टीचर हमारे सामने कॉलर ऊंची करके आता है और समझता कि मेरा 100 प्रतिशत रिजल्ट बताते हैं. ऐसा नहीं है, फेल है भैया फेल, लेकिन सौ प्रतिशत रिजल्ट बताते हैं.

नदबई में गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा की मांग तेज

हस्ताक्षर अभियान में 15 सौ लोगों ने दिया समर्थन

द अनकवर्ड अपडेट

नदबई। कस्बे में गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग के समर्थन में अब तक करीब 1500 हस्ताक्षर किए। इस दौरान गौ संरक्षण और संवर्धन को लेकर लोगों को जागरूक भी किया गया।

लोगों को किया गया जागरूक

गौ सेवक दुर्लभ और दिलीप ने बताया कि अभियान का उद्देश्य समाज में गौ सेवा और गौ संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने लोगों को गौ माता के महत्व की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस जनआंदोलन से जुड़ने का आह्वान किया। अभियान के दौरान बाजार और विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर लोगों से संपर्क कर हस्ताक्षर कराए गए।

बेसहारा गोवंश की सेवा का किया आह्वान

गौ सेवक त्रिलोक उर्फ चीनू ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में गली-मोहल्लों में घूम रहे बेसहारा गोवंश के लिए अपने घरों के बाहर पानी की व्यवस्था करें। साथ ही यदि कहीं कोई घायल या बीमार गोवंश दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत गो सेवा टीम को दें, ताकि समय पर उसका उपचार कराया जा सके।

बड़ी संख्या में लोगों ने दिया समर्थन

हस्ताक्षर अभियान को लोगों का अच्छा समर्थन मिला। युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने अभियान में भाग लेकर गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिए जाने की मांग का समर्थन किया। अभियान के दौरान उपस्थित लोगों ने गौ सेवा को सामाजिक दायित्व बताते हुए भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विधायक जगत सिंह ने गादौली में आयुष औषधालय का किया लोकार्पण

ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को समाधान के दिए निर्देश

द अनकवर्ड अपडेट

नदबई। क्षेत्र के गांव गादौली में नवनिर्मित आयुष औषधालय भवन का लोकार्पण नदबई विधायक जगत सिंह ने किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में विधायक का ग्रामीणों ने माला पहनाकर एवं साफा बंधवाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने किया आत्मीय स्वागत

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान विधायक जगत सिंह एवं उनकी पत्नी सौमाया सिंह का ग्रामीणों ने फूल-मालाओं और साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर विधायक का आभार भी व्यक्त किया।

आयुष सेवाओं को मिलेगा बढ़ावा

लोकार्पण के बाद विधायक जगत सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। आयुष औषधालय भवन शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को आयुर्वेद एवं अन्य पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गांव-गांव तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है।

ग्रामीणों की समस्याएं सुन दिए समाधान के निर्देश

कार्यक्रम के उपरांत विधायक ने ग्रामीणों की जनसमस्याएं भी सुनीं। इस दौरान लोगों ने सड़क, पेयजल, बिजली सहित अन्य स्थानीय समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। विधायक ने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए तथा कहा कि आमजन को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री का 4 जुलाई को प्रस्तावित राजस्थान दौरा

मुख्यमंत्री ने पचपदरा रिफाइनरी का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

रिफाइनरी से देश-प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में बनेगा आत्मनिर्भर

राजस्थान के औद्योगिक विकास को मिलेगी नई दिशा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री देश के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स का करेंगे शुभारंभ

सांभरा आशापुरा मंदिर में दर्शन कर की प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रिफाइनरी परिसर और कार्यक्रम स्थल का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी की सीडीयू , रिफाइनरी मेन कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें रिफाइनरी की कार्यप्रणाली और यहां से तैयार होने वाले विभिन्न सह-उत्पादों के सैंपल दिखाकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने तकनीकी व्यवस्थाओं और संचालन संबंधी पहलुओं की भी जानकारी ली। साथ ही, जनसभा स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के लिए निर्देश दिए।

आयोजन स्थल पर तैयारियों को लेकर अधिकारियों की ली बैठक

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी का निरीक्षण कर आयोजन स्थल पर प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक भी ली। उन्होंने आयोजन स्थल के ले-आउट सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए जनसभा में आमजन के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए, साथ ही यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग आपस में समन्वय कर पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रस्तुतीकरण भी दिया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री 4 जुलाई को देश के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स का शुभारंभ बालोतरा में करेंगे। इस रिफाइनरी के माध्यम से देश-प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। साथ ही, यह रिफाइनरी राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी।

शक्तिपीठ मां सांभरा आशापुरा के किए दर्शन

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने शक्तिपीठ मां सांभरा आशापुरा मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने अखंड ज्योत के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के विश्नोई, सांसद मदन राठौड़, विधायक हमीर सिंह भायल, डॉ अरुण चौधरी, आदूराम मेघवाल सहित जनप्रतिनिधिगण, एचपीसीएल, एचआरआरएल, जिला प्रशासन व संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दी सौगात

कस्तूरबा एवं डिग्गी बाजार स्वास्थ्य केन्द्रों को मिली पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें, पल्स पोलियो अभियान का भी शुभारम्भ

अजमेर उत्तर चिकित्सा सुविधाओं का नया हब बन रहा है- देवनानी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को अजमेर के स्वास्थ्य केन्द्र कस्तूरबा में आयोजित कार्यक्रम में कस्तूरबा एवं डिग्गी बाजार स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए डीएमएफटी मद से स्वीकृत पोर्टेबल एक्स-रे मशीनों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने पल्स पोलियो अभियान का शुभारम्भ भी किया तथा बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि पोर्टेबल एक्स-रे मशीनों की स्थापना से कस्तूरबा एवं डिग्गी बाजार क्षेत्र के हजारों नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधा प्राप्त होगी। अब मरीजों को सामान्य एक्स-रे जांच के लिए अन्य अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इससे समय और आर्थिक संसाधनों दोनों की बचत होगी। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं गंभीर रूप से बीमार मरीजों को सुविधा से बड़ी राहत मिलेगी। देवनानी ने कहा कि इससे रोगों के शीघ्र एवं सटीक निदान में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि हाल ही में कस्तूरबा एवं डिग्गी बाजार के अलावा माकड़वाली, पुलिस लाइन एवं वैशाली नगर में भी पोर्टेबल एक्स-रे मशीन तथा कोटडा सैटेलाईट चिकित्सालय में सोनोग्राफी मशीन की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि अजमेर उत्तर क्षेत्र चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में तेजी से विकसित होकर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण चिकित्सा हब बन रहा है। उन्होंने बताया कि जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में लगभग 190 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अस्पताल में लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य भी कराए जा रहे हैं, जिससे मरीजों को और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि जेएलएन अस्पताल में 18 करोड़ रुपये की लागत से रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक सुविधा भी शुरू की गई है, जिससे जटिल ऑपरेशन अब आधुनिक तकनीक के माध्यम से किए जा रहे हैं। साथ ही उत्तर क्षेत्र के सैटेलाइट अस्पताल में भी सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां प्रतिदिन 400 से अधिक मरीज ओपीडी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर क्षेत्र के प्रत्येक चिकित्सालय में चिकित्सकों की उपलब्धता, जांच सुविधाएं तथा एक्स-रे सेवाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे सामान्य बीमारियों के मरीजों का दबाव जेएलएन अस्पताल पर लगातार कम हो रहा है। देवनानी ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र के साथ-साथ अजमेर उत्तर के समग्र विकास के लिए भी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। क्षेत्र में लेपर्ड सफारी, झीलों का विकास, साइंस पार्क, कन्वेंशन सेंटर, नए खेल स्टेडियम सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन कार्य किया जा रहा है, जबकि पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 270 करोड़ रुपये की महत्वाकांयोजना पर भी कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्सना रंगा, पूर्व पार्षद भारती श्रीवास्तव, सीताराम शर्मा सहित चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नदबई में पल्स पोलियो अभियान की जबरदस्त शुरुआत

पहले दिन ही 155 शहरी व ग्रामीण बूथ केन्द्रों पर 13924 बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

द अनकवर्ड अपडेट

नदबई। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन नदबई शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में पांच बर्ष से कम उम्र के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। इससे पहले बीसीएमओ डॉ राहुल कौशिक ने अभियान की शुरुआत करते हुए चिकित्साकर्मियों को अभियान के बारे में बताया। बाद में अभियान के पहले दिन शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में निर्धारित 155 बूथ केन्द्र पर करीब 13924 बच्चों को पोलियो की खुराक दी। इस दौरान बीसीएमओ डॉ राहुल कौशिक के नेतृत्व में अलग-अलग टीम ने ग्रामीण क्षेत्र के करीब एक दर्जन बूथ केन्द्र पर निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों को जागरुक किया। वहीं, आगामी दो दिवस में 5 साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का संकल्प दिलाया।

शीतल स्वाध्याय भवन में साध्वी मधु कंवर मसा का मंगल प्रवेश, धर्मसभा में संयम और आत्मचिंतन का दिया संदेश

'स्वाध्याय आत्मा का भोजन, धर्म साधना से ही मिलता है स्थायी सुख और आत्मशांति' – साध्वी डॉ. चिंतन श्री मसा

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। शहर के शीतल स्वाध्याय भवन में रविवार को महासाध्वी मधु कंवर मसा आदि ठाणा का मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने गुरु भगवंतों का वंदन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। मंगल गान, जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। मंगल प्रवेश के उपरांत आयोजित धर्मसभा में साध्वी डॉ. चिंतन श्री मसा ने अपने प्रेरक प्रवचनों में कहा कि मनुष्य का वास्तविक वैभव धन-संपत्ति नहीं, बल्कि उसका संयम, संस्कार और सदाचार है। उन्होंने कहा कि भौतिक सुख क्षणिक होते हैं, जबकि स्थायी सुख और आत्मशांति केवल धर्म साधना, आत्मचिंतन और स्वाध्याय से ही प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि स्वाध्याय आत्मा का भोजन है और आत्मचिंतन जीवन को सही दिशा प्रदान करता है। जो व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय धर्म, ध्यान और स्वाध्याय के लिए निकालता है, उसका जीवन शांत, संतुलित और आनंदमय बन जाता है। आज के भागदौड़ भरे जीवन में मनुष्य बाहरी सुख-सुविधाओं के पीछे दौड़ रहा है, जबकि वास्तविक शांति भीतर से प्राप्त होती है। साध्वीश्री ने कहा कि क्रोध, मान, माया और लोभ आत्मा के सबसे बड़े शत्रु हैं। इन पर विजय प्राप्त कर ही आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से क्षमा, करुणा, मैत्री, सेवा और सहिष्णुता जैसे श्रेष्ठ जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि प्रतिदिन कुछ समय आत्ममंथन किया जाए तो परिवार, समाज और राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः दिखाई देने लगेंगे। धर्मसभा में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने श्रद्धापूर्वक प्रवचनों का श्रवण किया तथा धर्म आराधना, संयम और स्वाध्याय को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान शीतल स्वाध्याय भवन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर विहार एवं मंगल प्रवेश में अध्यक्ष वीरेंद्र मेहता, मनीष बम्ब, सुनील पीपाड़ा, प्रमोद सिंघवी, बहादुर सिंह लोढ़ा, रघुवीर सिंह भंडारी, अलका बम्ब, सुनीता गांधी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जयपुर-अलवर में बरसात, 25 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

पारा 44 डिग्री सेल्सियस के पार, जानिए- अगले तीन दिन कैसा रहेगा मौसम का हाल

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर और अलवर के कई इलाकों में आज (सोमवार) सुबह-सुबह बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। उधर, उदयपुर संभाग के जिलों में पिछले दो-तीन से हो रही आंधी-बारिश की वजह से गर्मी कम हुई है। राज्य में तीन दिन 25 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी है। 2 जुलाई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इससे पहले रविवार (28 जून) को श्रीगंगानगर का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, जैसलमेर के अलावा जयपुर, जोधपुर, अलवर, पिलानी, करौली, दौसा में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। इन शहरों में दिन के अलावा रात में भी तेज गर्मी और उमस से हालात खराब हैं।

ये शहर सबसे गर्म रहे

पिछले 24 घंटे के दौरान प्रतापगढ़ के अरनोद में 45रू, छोटी सादड़ी, सुहागपुरा में 20, प्रतापगढ़ शहर में 15, उदयपुर के कोटड़ा में 28, मावली में 34, झालावाड़ के पचपहाड़ में 25, चित्तौड़गढ़ के राश्मी में 21, कपासन में 33, बस्सी में 11, बांसवाड़ा के दानपुर में 5, झुंझुनूं के पिलानी में 13, बुहाना में 11, बिसाऊ में 5 और भीलवाड़ा के हमीरगढ़ 8MM बरसात हुई। उदयपुर और उसके आसपास के एरिया में कई जगहों पर तेज आंधी चली, जिससे यहां लोगों को गर्मी, उमस से राहत मिली।

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी

पश्चिमी, पूर्वी राजस्थान के जिलों में बारिश का दौर धीमा पड़ने से गर्मी, उमस तेज हो गई। श्रीगंगानगर में रविवार को सबसे ज्यादा गर्मी रही। यहां अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। फलोदी में 43.8, बीकानेर में 43.2, चूरू में 43.1, बाड़मेर में 42.2, जोधपुर, हनुमानगढ़ में 41.4, करौली में 40.3, दौसा में 40.8, कोटा में 40.3, पिलानी (झुंझुनूं) में 40.9, अलवर में 40.6, टोंक में 39.6, अजमेर में 39.4, सीकर में 39, नागौर, जालोर में 39.2, झुंझुनूं में 39.9 और पाली में 39.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। इन शहरों में गर्मी के साथ जबरदस्त उमस रही।

रात में दिन जैसी गर्मी, हनुमानगढ़ में सबसे गर्म रात

राजस्थान के कई जिलों में एक बार फिर रातें भी गर्म होने लगी हैं। इन शहरों में रात का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गिर रहा। रविवार को सबसे ज्यादा गर्म रात हनुमानगढ़ में रही, जहां न्यूनतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जोधपुर में न्यूनतम तापमान 32.3, फलोदी, बीकानेर, श्रीगंगानगर में 32, जालोर में 31.4, चूरू में 30.6, जैसलमेर में 29, बाड़मेर में 29.5, कोटा में 29 और झुंझुनूं में 29.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

राजस्थान के बड़े शहरों में मौसम का हाल

जयपुरः राजधानी सोमवार तड़के मौसम बदला और कई इलाकों में बारिश हुई। इससे हवा में ठंडक घुल गई। लोगों को गर्मी से राहत मिली। उधर, शनिवार रात से रविवार रात में जयपुर में जबरदस्त उमस रही थी। रविवार दिनभर आसमान साफ रहा और धूप रही। कहीं-कहीं छितराए बादल छाए। जयपुर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ, जबकि रात का न्यूनतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ।

अजमेरः अजमेर में रविवार को अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह और शाम के समय हवा में नमी 56 से 37 प्रतिशत के बीच रहने से उमस का असर महसूस हुआ। मौसम विभाग ने राहत के संकेत देते हुए सोमवार को बारिश की संभावना जताई है।

अलवरः अलवर में रविवार को तेज धूप निकलने के कारण ज्यादा गर्मी रही। दोपहर तक अधिकतम तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। शाम करीब 6ः30 बजे मौसम ने करवट ली। घने बादल छा गए और तेज हवा चलने लगी।

कोटाः कोटा में रविवार को गर्मी ने फिर तेवर दिखाए। अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 29.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज धूप और उमस के कारण लोगों को दिनभर परेशानी का सामना करना पड़ा।

उदयपुरः उदयपुर में रविवार दोपहर को अचानक मौसम बदलने के बाद आंधी चली और बारिश हुई। इस दौरान बड़ी गांव मुख्य रोड पर बिजली के पोल पर पेड़ गिर गया। रोड पर पेड़ और पोल गिरने से वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानी हुई। स्वरूप सागर रोड पर खड़ी कार और बाइक पर पेड़ गिरने से दोनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री और न्यूनतम 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जोधपुरः जोधपुर में रविवार को गर्मी और उमस का असर बना रहा। अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.5 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 32.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 4.1 डिग्री अधिक है।

सीकरः शनिवार (27 जून) रात में हवा नहीं चलने की वजह से गर्मी का असर बना रहा। रविवार दिन भर तेज धूप और उमस की वजह से लोग परेशान हुए। दोपहर बाद में कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे उमस बढ़ गई। शाम को हल्के बादल छाए। शहर का अधिकतम तापमान 41.8 और न्यूनतम तापमान 29.0 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेशी यात्राएँ भारत के लिए अर्थलाभदायक?

सौरभ वार्ष्णेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक हितों और सामरिक प्रभाव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया है। वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के बाद से लेकर जून 2026 तक प्रधानमंत्री मोदी लगभग 100 विदेश यात्राएँ कर 78 देशों का दौरा कर चुके हैं। यह आँकड़ा स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत ने बीते एक दशक में विश्व मंच पर अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

भारत की विदेश नीति आज केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, रक्षा सहयोग और वैश्विक प्रभाव बढ़ाने का माध्यम भी बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों, अफ्रीका तथा हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया है। हाल की उनकी सेशेल्स हिंद महासागर में स्थित एक खूबसूरत द्वीपीय देश है। यात्रा भी समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन यात्राओं का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक क्षेत्र में दिखाई देता है। वैश्विक कंपनियों के साथ संपर्क बढ? से भारत में निवेश आकर्षित हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण क्षेत्र में भारत को नई संभावनाएँ मिली हैं। हाल के वर्षों में अनेक वैश्विक कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणाएँ की हैं, जिससे रोजगार और औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

रणनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति पहले की तुलना में अधिक सशक्त हुई है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है और छोटे द्वीपीय देशों के साथ

रक्षा एवं समुद्री सहयोग बढ़ा रहा है। सेशेल्स को भारत निर्मित गश्ती पोत सौंपना इसी नीति का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। अनेक देशों ने भारत की वैश्विक भूमिका का समर्थन किया है तथा भारत को एक उभरती महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की भारतीय दावेदारी को भी विभिन्न देशों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

हालाँकि, विदेश यात्राओं की सफलता का मूल्यांकन केवल स्वागत समारोहों और समझौतों की संख्या से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना आवश्यक है कि कितने समझौते धरातल पर उतरते हैं, कितना निवेश वास्तव में आता है और उससे देश के आम नागरिक को कितना लाभ मिलता है। कुछ मामलों में व्यापारिक विवाद, वैश्विक तनाव और भू-राजनीतिक चुनौतियाँ भी भारत के सामने बनी हुई हैं।

आधुनिक विश्व व्यवस्था में सक्रिय कूटनीति किसी भी उभरती शक्ति के लिए अनिवार्य है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं ने भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया है, नए साझेदार बनाए हैं और भारत को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाने का प्रयास किया है। लेकिन इन यात्राओं की वास्तविक सफलता का पैमाना यही होगा कि वे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, सुरक्षा और आम नागरिक के जीवन में कितनी सकारात्मक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती हैं।

विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की पूर्ति होना चाहिए। यदि विदेश यात्राएँ निवेश, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक शक्ति के रूप में भारत को लाभ पहुँचा रही हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास की व्यापक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका इसी संतुलित और परिणामोन्मुख कूटनीति पर निर्भर करेगी।

आलेख के बीच में

सेशेल्स यात्रा: हिन्द महासागर में सहयोग और सामरिक साझेदारी की नई दिशा

भारत और सेशेल्स के बीच संबंध केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझा समुद्री हितों, सुरक्षा सहयोग और विकास की साझी आकांक्षाओं पर आधारित हैं। सेशेल्स की यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगी। हिन्द महासागर आज वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता केवल तटीय देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सेशेल्स, भौगोलिक दृष्टि से छोटा द्वीपीय राष्ट्र होने के बावजूद हिन्द महासागर की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत ने हमेशा सागर अर्थात सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन की नीति के माध्यम से हिन्द महासागर क्षेत्र में सहयोग, विश्वास और साझा विकास को प्राथमिकता दी है। इसी नीति के तहत भारत ने सेशेल्स के साथ रक्षा, समुद्री निगरानी, तटरक्षक सहयोग, क्षमता निर्माण तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निरंतर साझेदारी विकसित की है। समुद्री डकैती, अवैध मछली पकड?, तस्करी और अन्य समुद्री अपराधों से निपटने में भी दोनों देशों का सहयोग महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

सेशेल्स की यात्रा इस बात का संकेत है कि भारत अपने पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल रणनीतिक नजरिये से नहीं देखता, बल्कि उन्हें विकास के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भी मान्यता देता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, अक्षय ऊर्जा और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। विशेष रूप से ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में दोनों देश समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज जब हिन्द महासागर क्षेत्र में वैश्विक शक्तियों की सक्रियता बढ़ रही है, तब भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत होते संबंध क्षेत्रीय संतुलन और सामूहिक सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हैं। यह साझेदारी किसी प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि सहयोग, विश्वास और साझा हितों पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास है। छोटे द्वीपीय देशों की विकास संबंधी चुनौतियों और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने में भारत की भूमिका एक विश्वसनीय मित्र और विकास सहयोगी के रूप में उभर रही है। सेशेल्स यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगी। इससे हिन्द महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को नई गति मिलेगी तथा एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द महासागर के निर्माण की साझा दृष्टि को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ऐसी साझेदारियाँ ही क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक प्रगति और दीर्घकालिक शांति की आधारशिला सिद्ध होंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

संपादकीय

पासपोर्ट फीस बढ़ी और नागरिकता पर सवाल

विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने, रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले लोगों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब और अधिक ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे। सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर निश्चित रूप से उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़कों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 12 लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे, लेकिन अब इन छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी उनके इरादों को और कमजोर कर सकती है। इसी तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ने की आशंका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट आवेदन शुल्क में रियायत नहीं दी जा सकती है। सरकार का मकसद केवल राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए।

चिंतन-मनन

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी खजाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है। सृजनात्मक शक्ति यानी प्रभु और आत्मा एक ही तत्त्व के बने हैं। अगर हम प्रतिदिन अपना कुछ समय अंतरात्मा की शांति में व्यतीत करें तो हम आनंद के एक स्थान से जुड़ जाएंगे। तब बाहरी परिस्थितियां प्रभावित नहीं करेंगी। अगली बार हमें दुख-दर्द हो तो हम याद रखें, यह समय भी बीत जाएगा।

एनडीए कुनबे में सांसद बढ़े पर बढ़ गया अंदरूनी असंतोष

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में इस समय एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। विपक्ष के सांसदों की टूट-फूट से सत्ताधारी एनडीए का कुनबा लगातार बड़ा हो रहा है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि सरकार पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुरक्षित हो चुकी है। लेकिन जब हम दिल्ली के राजनीतिक गलियारों और संसद के आंकड़ों की गहराई में जाते हैं, तो कहानी कुछ और ही नजर आती है। बाहर से ताकतवर दिख रही इस सरकार के भीतर तनाव की एक नई लहर दौड़ गई है।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत का जादुई आंकड़ा नहीं छू सकी थी। तब एनडीए ने 293 सीटों के साथ सरकार का गठन किया था। सरकार को टिकाए रखने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है। हाल के दिनों में विपक्षी खेमे, खासकर टीएमसी और शिवसेना, जैसे दलों से सांसदों के पाला बदलने के कारण अब एनडीए का आंकड़ा 313 के पार पहुंच चुका है। सीधे गणित से देखें तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इस सरकार को गिराना विपक्ष के लिए पूरी तरह असंभव है। सरकार गिरने का कोई तात्कालिक खतरा नहीं है, इसलिए सरकार के पूरी तरह अस्थिर होने का दावा तकनीकी रूप से गलत साबित होता है। लेकिन असली पेंच सरकार के बने रहने का नहीं, बल्कि उसके कामकाज और आंतरिक तालमेल का है। सरकार का कुनबा तो बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही गठबंधन के भीतर तनाव भी चरम पर पहुंच गया है। इस समय सबसे बड़ी अटकलें मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल को लेकर लगाई जा रही हैं। बाहर से आए दिग्गज नेताओं को संतुष्ट करने के लिए उन्हें सरकार में जगह देनी होगी। इसकी वजह से मौजूदा कई मंत्रियों पर भारी दबाव देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि नए चेहरों को एडजस्ट करने के लिए कई पुराने और कद्दावर मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनसे भारी-भरकम मंत्रालय छीने जा सकते हैं। इस संभावित फेरबदल की वजह से मंत्रियों और मूल पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष की आग सुलगने लगी है। पुराने नेताओं को लगने लगा है कि बरसों तक पार्टी के लिए खून-पसीना बहाने के बाद भी, ऐन मौके पर दलबदलुओं को तवज्जो दी जा रही है। तनाव का दूसरा बड़ा कारण गठबंधन की छोटी और क्षेत्रीय पार्टियों में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे दल अब अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर गहरे संकट और चिंता में हैं। दरअसल, जब एनडीए के पास 293 सीटें थीं, तब इन छोटे दलों की बैसाखियों के बिना सरकार एक कदम भी नहीं चल सकती थी। लेकिन अब विपक्ष से आए सांसदों के कारण सरकार का अपना आंकड़ा 313 पार कर गया है। इस नए समीकरण ने छोटे दलों की सौदेबाजी की ताकत को लगभग खत्म कर दिया है। उन्हें डर है कि भाजपा अब उनके क्षेत्रीय हितों को नजरअंदाज कर सकती है, जिससे उनके राज्यों में उनका वजूद ही खतरे में पड़ जाएगा।इस राजनीतिक उठापटक के बीच, हालिया विवादों ने सरकार की सुशासन की छवि पर भी दबाव बना दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का बड़ा मामला सामने आने से जहां एक तरफ धार्मिक और राजनीतिक बहस छिड़ गई है, वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़ा भूमि आवंटन का ताजा प्रकरण भी विपक्ष के हाथों में बड़ा मुद्दा बन गया है। इन दोनों ही गंभीर मामलों ने भाजपा को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है, जिससे संगठन के भीतर का आपसी तनाव और अधिक गहरा गया है। इस पूरे दलबदल के पीछे सरकार की अपनी एक बड़ी रणनीति भी छिपी है। सरकार संसद में मनमाने और कड़े बिल पारित कराना चाहती है। भाजपा का मुख्य एजेंडा सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि परिसीमन और एक देश, एक चुनाव जैसे बड़े संवैधानिक सुधारों को लागू करना है। इन ऐतिहासिक बदलावों के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत यानी 362 सीटों की जरूरत होती है। सरकार इसी जादुई आंकड़े को छूने के लिए विपक्ष में तोड़फोड़ कर रही है। हालांकि, इतने सांसदों को जोड़ने के बाद भी सरकार अभी दो-तिहाई के आंकड़े से दूर है, जिससे विधायी स्तर पर उसकी राह अब भी आसान नहीं दिखती। कुल मिलाकर देखें तो यह दावा पूरी तरह सही है कि सांसदों के आने से एनडीए का संख्या बल तो बढ़ा है, लेकिन सरकार के भीतर आंतरिक तनाव और असंतोष अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। सरकार की उम्र भले ही लंबी हो गई हो, लेकिन मंत्रियों की कुर्सी छिनने का डर, पुराने नेताओं की नाराजगी, क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व का संकट और हालिया भ्रष्टाचार के आरोप इस सरकार की राजनीतिक स्थिरता को अंदर ही अंदर खोखला कर रहे हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जयपुर में हुए फोटोशूट में दिखा मॉडल्स का आत्मविश्वास

मिस राजस्थान की टॉप 28 गर्ल्स ने दिए पोज, फोटोजेनिक राउंड में दिखा ग्लैमर

जयपुर(नि.सं.)।

मॉडलिंग की दुनिया में केवल खूबसूरती ही नहीं, बल्कि कैमरे के सामने खुद को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना भी एक कला है। चेहरे के भाव, आंखों की अभिव्यक्ति, बॉडी लैंग्वेज, सही एंगल, आकर्षक पोज और कैमरे से जुड़ाव ही किसी मॉडल को फोटोजेनिक बनाता है। इसी कला की परख के लिए मिस राजस्थान 2026 के अंतर्गत मिस फोटोजेनिक राउंड का आयोजन सीकर रोड स्थित आर. चंद्रा पैलेस में किया गया, जहां टॉप फाइनलिस्ट ने अपने स्टाइल, आत्मविश्वास और कैमरा प्रेजेंस से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। फ्यूजन ग्रुप और रूबी डिजिटल के सहयोग से आयोजित इस विशेष फोटोशूट में प्रतिभागियों ने कैमरे के सामने प्रोफेशनल मॉडल्स की तरह अलग-अलग पोज दिए।

किसी ने स्माइल के जरिए अपनी सहजता दिखाई, तो किसी ने आंखों के एक्सप्रेशन और कॉन्फिडेंस से तस्वीरों में अलग पहचान बनाई। फोटोशूट के दौरान प्रतिभागियों को यह भी सिखाया गया कि कैमरे के सामने कैसे खड़ा होना है, चेहरे के भाव किस तरह बदलने हैं, हाथों और शरीर की मुद्रा कैसे रखनी है और किस तरह हर क्लिक में अपनी पर्सनैलिटी को उभारना है।

प्रसिद्ध फैशन फोटोग्राफर वासु जैन ने प्रतिभागियों का फोटोशूट किया। उन्होंने अलग-अलग लाइटिंग, कैमरा एंगल और फ्रेमिंग के जरिए प्रत्येक प्रतिभागी की सबसे बेहतरीन तस्वीरें कैद कीं। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि एक सफल मॉडल के लिए कैमरे से जुड़ाव, नेचुरल एक्सप्रेशन और हर फ्रेम में आत्मविश्वास बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। सही एंगल, चेहरे का प्रोफाइल और आंखों का संपर्क ही एक सामान्य तस्वीर को शानदार फैशन पोर्ट्रेट में बदल देता है। फोटोशूट को और आकर्षक बनाने के लिए मैजेस्टिक मेकओवर्स की मेकअप एक्सपर्ट मधु यादव ने सभी प्रतिभागियों को स्टाइलिश कॉकटेल लुक दिया। मेकअप, हेयर स्टाइल और आउटफिट्स के संयोजन ने फोटोशूट को पूरी तरह फैशन मैगजीन जैसा प्रोफेशनल लुक प्रदान किया।

न्यूज इन बॉक्स

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से 58 करोड़ लोगों का जुड़ना सरकार की कर्मठता का प्रमाण : कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर(नि.सं.)। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने रविवार को झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम की 135वीं कड़ी को सुना। प्रधानमंत्री मोदी जी की यह जन संवाद जनता से सतत संवाद, समसामयिक विषयों पर विमर्श और एक जनसेतु है। कार्यक्रम के बाद कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस प्रकार एक परिवार का उदाहरण देते हुए सभी नागरिकों को बीमा सुरक्षा कवच से जुड़ने के लिए हम सभी जागरूक किया वह सभी देशवासियों को जीवन सुरक्षा व जन उत्तरदायित्व हेतु जागरूक करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने रक्षा क्षेत्र में हो रहे नवाचारों व समुद्र से आसमान तक की अभेद्य सुरक्षा द्वारा देश को सिर्फ निश्चिंत ही नहीं बल्कि गौरवान्वित भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश आत्मनिर्भरता, योग संस्कृति व जन सुरक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कार्यक्रम को सुनने के बाद जनता से मोदी जी के आह्वान के अनुरूप क्षेत्रवासियों से जन सुरक्षा में अपना उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने की अपील की।

उमंग टुडेज़ विमेन लेकर आ रहा है राजस्थान की सबसे बड़ी कुकिंग प्रतियोगिता किचन क्वीन ऑफ़ राजस्थान

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान की समृद्ध पाक परंपरा, घर-घर में संजोए गए पारंपरिक स्वाद और महिलाओं की अद्भुत पाक-कला को सम्मान देने के उद्देश्य से उमंग टुडेज़ विमेन, नीलम स्टेनलेस स्टील द्वारा प्रस्तुत, राज्य की सबसे बड़ी कुकिंग प्रतियोगिता किचन क्वीन ऑफ़ राजस्थान का आयोजन करने जा रहा है। महाराष्ट्र में मिली अभूतपूर्व सफलता के बाद अब यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता पहली बार राजस्थान में आयोजित होगी। इस अनूठी पहल का उद्देश्य राज्यभर की प्रतिभाशाली महिलाओं को अपनी पाक-कला प्रदर्शित करने का अवसर देना, उन्हें राज्यस्तरीय पहचान दिलाना तथा राजस्थान की समृद्ध खान-पान संस्कृति और पारंपरिक व्यंजनों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। प्रतियोगिता पूरी तरह से शुद्ध शाकाहारी व्यंजनों पर आधारित होगी। इसमें विशेष रूप से राजस्थान की पारंपरिक, विरासत और वर्षों से घरों में बनती आ रही रेसिपीज़ को प्राथमिकता दी जाएगी।

वीबी-जी राम जी योजना: 1 जुलाई से आगाज:मुख्यमंत्री ने कहा

शिविरों में लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर हो सख्त कार्रवाई

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने का मजबूत माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिविरों का क्रियान्वयन सड़क, पानी, बिजली और चिकित्सा से जुड़ी समस्याओं के स्थायी समाधान के रूप में किया जाए। साथ ही, उन्होंने इन शिविरों में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री निवास पर ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों की प्रगति तथा वीबी-जी राम जी योजना के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने सेवा शिविरों में आने वाले नए प्रकरणों एवं लंबित प्रकरणों के निस्तारण की अलग-अलग सूची तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि यह सूची जिलेवार तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण सेवा शिविरों में वर्षों से लंबित राजस्व प्रकरणों का तुरंत निस्तारण किया जाए, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके तथा इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। वहीं, उन्होंने शिविरों में सभी विभागों के कार्यों की प्रगति की निरंतर मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना को लेकर संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि 1 जुलाई से प्रदेश में इस योजना के क्रियान्वयन की सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं।

प्रति शिविर औसत कार्यों के आधार पर जयपुर जिला अव्वल

198 शिविरों में 20 लाख हुए कार्य, 17,46,775 ग्रामीण लाभान्वित

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा 12 जून से 15 जुलाई तक आयोजित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर-2026 में जिला कलक्टर संदेश नायक द्वारा निरन्तर की जा रही प्रभावी मॉनिटरिंग व विभिन्न विभागों द्वारा स्थापित आपसी समन्वय के फलस्वरूप 25 जून तक आयोजित शिविरों में जयपुर जिले ने समग्र प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट उपलब्धि अर्जित की है। प्रतिदिन उपखण्ड एवं विभागवार की जा रही मॉनिटरिंग का यह परिणाम रहा कि जो उपखण्ड एवं विभाग निचले पायदान पर थे उन्होंने जिला कलक्टर के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों से प्रेरणा प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिला कलक्टर ने बताया कि राजस्व विभाग को रास्ते के कुल 582 प्रकरण प्राप्त हुए थे, जिनमें से 548 का मौके पर ही निस्तारण किया गया है।

वहीं जाति, मूल, निवास प्रमाण पत्र हेतु 13,717 प्रकरण आए थे जिनमें से 13,196 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया है। वहीं राजस्व अभिलेखों, खातों में शुद्धीकरण के 12,712 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 12,646 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया है।

बीकानेर में 3.21 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ नष्ट किए

2013 किलो डोडा-पोस्त समेत गांजा, स्मैक और एमडी का किया निस्तारण

बीकानेर(वि.सं.)। बीकानेर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन नीलकंठ के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 करोड़ 21 लाख 36 हजार 275 रुपए मूल्य के मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी की मौजूदगी में नियमानुसार की गई, जिसकी जानकारी जिला एसपी मृदुल कच्छावा ने दी। एसपी ने बताया कि ऑपरेशन नीलकंठ के तहत अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और कारोबार पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत जब्त किए गए मादक पदार्थों का कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया कि 130 प्रकरणों में जब्त किए गए मादक पदार्थों को ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी की उपस्थिति में नष्ट किया गया।

सघन निरीक्षण

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी ख़बरों पर त्वरित एक्शन लें:गायत्री राठौड़

जयपुर(नि.सं.)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ के निर्देश पर सभी जिलों की स्वास्थ्य सेवाओं का 24 जून से 27 जून तक मुख्यालय के जिला प्रभारियों के दलों द्वारा सघन निरिक्षण किया गया। प्रभारियों द्वारा गर्भवती महिलाओं की ट्रैकिंग, उपकरणों की स्थिति, प्रोटोकॉल की पालना, फायर और इलेक्ट्रिकल ऑडिट, दवाइओं का स्टोरेज, स्वास्थ्य भवनों एवं एम्बुलेंस की स्थिति सहित अन्य बिन्दुओं की सघन जांच की गई। राठौड़ द्वारा जिलों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधा की स्थिति के सम्बन्ध में शनिवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के सीएमएचओ एवं जिला प्रभारियों से जानकारी ली गई। उन्होंने सिरोही, उदयपुर, कोटा, जालोर सहित अन्य जिलों के प्रभारियों से फीडबैक लिया। उन्होंने जिलों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, दवाईओं की उपलब्धता एवं उचित रखरखाव, स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में निर्धारित एसओपी की पालना, चिकित्सा संस्थानों में मरम्मत सम्बन्धी जरूरतों, विभिन्न स्वास्थ्य सूचकांकों में खराब प्रदर्शन करने वाले जिलो को आ रही समस्याओं इत्यादि बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों का उपयोग नहीं करें एवं सभी प्रकार के प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि फैसिलिटी इंचार्ज सम्बंधित संस्थान की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरिक्षण करे। उनमे सुधार लाए तथा सीएमएचओ नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर अस्पताल की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार करें।

बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति का किया मर्डर

पहले शराब पिलाई, फिर लाठी मारकर सिर फोड़ा

जालोर(वि.सं.)। जालोर में एक पत्नी ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति की हत्या करवा दी। दरअसल, पति-पत्नी की शादी को 15 साल हो चुके थे, लेकिन दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी वजह से ममता पिछले 8-10 महीनों से अपने पीहर में रह रही थी। साजिश के तहत बॉयफ्रेंड ने अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर राजेंद्र को मजदूरी दिलाने का झांसा देकर बुलाया। आरोपियों ने पहले उसे शराब पिलाई और फिर एक खेत में ले जाकर लाठी से सिर फोड़कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मर्डर केस का 48 घंटे में खुलासा कर दिया। तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी ममता, उसके प्रेमी रमेश कुमार मीणा और साजिश में शामिल अभिषेक मीणा को गिरफ्तार किया है।

दिन-दहाड़े महिला की हत्या

जयपुर में रुपए नहीं देने पर करी मां की हत्या : दीवार में सिर पकड़ मारा

जयपुर। जयपुर पुलिस ने दिन-दहाड़े महिला की हत्या मामले में बेटे को रविवार दोपहर अरेस्ट किया है। नशे के लिए रुपए नहीं देने पर गुस्साएं बेटे ने मां का सिर पकड़ दीवार पर दे मारा। चाकू से चेहरे पर हमला कर मां की हत्या कर फरार हो गया। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने दबिश देकर रविवार सुबह हत्यारे बेटे को धर-दबोचा। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीसीपी

(वेस्ट) रंजीता शर्मा ने बताया- हत्या में आरोपी अनिल बैरवा (27) पुत्र हजारीलाल बैरवा निवासी जैतपुर गंगापुर सिटी को अरेस्ट किया गया है। पुलिस ने रविवार सुबह खोह नागोरियान इलाके में दबिश देकर उसको पकड़ा है। मां पत्नी देवी (55) की हत्या करने के बाद वह मोबाइल स्विच ऑफ कर फरार हो गया था। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि वह नशे का आदी है। भाईयों के मजदूरी पर जाने के बाद वह शनिवार दोपहर घर पहुंचा। अपनी मां पत्नी देवी से नशा करने के लिए रुपए मांगे। रुपए नहीं देने की बात को लेकर उसका झगड़ा हो गया। गुस्से में अपनी मां पत्नी देवी का सिर पकड़कर उसने दीवार से दे मारा।

आरोप

नीट पेपर लीक मामले में देश के युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया

सांसद सीपी जोशी बोले: राहुल गांधी फेल्योर स्टूडेंट

वे जनता के सामने खुद को साबित नहीं कर पाए; कांग्रेस राज में पेपरलीक माफिया को मिला संरक्षण

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने कांग्रेस पर नीट पेपर लीक मामले में देश के युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया है। भीलवाड़ा आए सांसद ने पार्टी के जिला ऑफिस में मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा- राहुल गांधी एक फेलियर स्टूडेंट की तरह हैं, जो अपने आप को देश की जनता के सामने साबित नहीं कर पाए और यह बात उन्होंने खुद भी साबित कर दी है। सांसद जोशी ने राजस्थान के पिछले घटनाक्रमों का जिक्र

करते हुए जनता को कांग्रेस और भाजपा के बीच का अंतर समझाया। उन्होंने कहा कि लोग दोनों पार्टियों के काम करने के तरीके को बखूबी समझते हैं। कांग्रेस के राज में राजस्थान में लगातार लगभग 19 बार पेपर लीक की घटनाएं हुईं। उन्होंने दावा किया कि जब कांग्रेस सरकार में पेपर लीक होते थे, तो राजीव गांधी स्टडी सर्कल से जुड़े कांग्रेस के बड़े नेता और सरकारी एजेंसी में पदस्थ उनके पदाधिकारी व सदस्य खुद उसमें शामिल होते थे।

पेपर लीक माफियाओं को सरकार का संरक्षण प्राप्त था, जिस वजह से उनकी गिरफ्तारियां नहीं होती थीं।

मोदी सरकार ने सेना के विमानों से पहुंचाए सुरक्षित पेपर

सांसद जोशी ने कहा कि युवाओं के भविष्य की चिंता करते हुए सरकार ने पहली बार देश के इतिहास में एक अनूठी और सुरक्षित पहल की है। युवाओं के भविष्य की चिंता करते हुए सरकार ने पहली बार आर्मी (सेना) के प्लेन के माध्यम से पेपर्स को सुरक्षित जगहों तक पहुंचाया है, जिससे इसकी बेहतर और अचूक मॉनिटरिंग की जा सके। सांसद ने कहा कि जहां कांग्रेस के समय में धांधली करने वालों को शह मिलती थी, वहीं आज की सरकार में पारदर्शिता को सर्वोपरि रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में जो भी दोषी पाया गया है, उसके खिलाफ तुरंत कड़ा एक्शन लिया गया है और आगे भी पूरी पारदर्शिता के साथ जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस राज में अपराधियों की भागीदारी और संरक्षण का दौर था।

मेसी ने लगातार 7 वर्ल्डकप में गोल करने का बनाया रिकॉर्ड

● नई दिल्ली

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी लगातार 7 वर्ल्ड कप मैच में गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बने हैं। वे रविवार को ग्रुप जे के मुकाबले में जॉर्डन के खिलाफ सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरे और 80वें मिनट में फ्री किक पर गोल दागा। मेसी को 20 साल बाद अर्जेंटीना की स्टार्टिंग-11 में जगह नहीं मिली है।

इससे पहले 30 जून 2006 को होस्ट जर्मनी के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में ऐसा हुआ था। मेसी के इस गोल की मदद से अर्जेंटीना ने डलास स्टेडियम में खेले गए मैच में जॉर्डन को 3-1 से हराया। इस जीत से अर्जेंटीना की टीम ग्रुप जे के टॉप पर रहकर नॉकआउट राउंड में पहुंची। टीम ने अपने लीग स्टेज में अपने तीनों मुकाबले जीते और 9 अंक हासिल किए। अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया का मैच 3-3 की बराबरी पर रहा। यह मेसी के करियर का 72वां और अर्जेंटीना के लिए 12वां फ्री किक गोल था। वर्ल्ड कप में यह उनका दूसरा फ्री-किक गोल रहा। मेसी के अब इस वर्ल्ड कप में छह गोल हो चुके हैं। वे गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। रविवार को हुए मुकाबलों के साथ ही फीफा वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 32 यानी नॉकआउट क्वालीफाई करने वाली टीमों की तस्वीर साफ हो गई है। 29 जून से नॉकआउट मुकाबले खेले जाएंगे।

कांगो ने पहली बार नॉकआउट में बनाई जगह

52 साल बाद वर्ल्ड कप में लौटी कांगो डीआर ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर पहली बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट (राउंड ऑफ 32) में जगह बना ली। अटलांटा स्टेडियम में उज्बेकिस्तान के कप्तान एल्डोर शोमुरोदोव ने 10वें मिनट में गोलकीपर के ऊपर से लॉब शॉट खेलकर गोल किया और टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ के 68वें मिनट में अब्दुकोदिर खुसानोव ने योआने विसा को पेनल्टी बॉक्स में गिरा दिया, जिस पर रेफरी ने पेनल्टी दी। विसा ने खुद पेनल्टी लेकर गोल स्कोर 1-1 किया। 78वें मिनट में मेशाक एलिया के शॉट पर डिफ्लेक्शन मिलने के बाद फिस्टन मायेले ने कांगो को 2-1 की बढ़त दिला दी। इंजरी टाइम में योआने विसा ने अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल दागकर 3-1 की जीत पक्की कर दी।

क्रोएशिया-घाना भी नॉकआउट में

1966 की वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड ने ग्रुप एल के टॉप पर रहकर नॉकआउट में प्रवेश किया। क्रोएशिया ने दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट में जगह बनाई। घाना तीसरे स्थान पर रहकर भी इस राउंड में पहुंच गया। वहीं, पनामा तीनों मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। रविवार के पहले मुकाबले में इंग्लिश टीम ने पनामा को 2-0 से हराया। इस मैच में जूड बेलिंघम ने 62वें और कप्तान हैरी केन ने 67वें मिनट में गोल किए।

राउंड ऑफ 32 मैचों का शेड्यूल

जर्मनी बनाम पराग्वे	30 जून, सुबह 2:30 बजे
नीदरलैंड्स बनाम मोरक्को	30 जून, सुबह 6:30 बजे
आइवरी कोस्ट बनाम नॉर्वे	30 जून, रात 10:30 बजे
फ्रांस बनाम स्वीडन	1 जुलाई, रात 2:30 बजे
मेक्सिको बनाम इक्वाडोर	1 जुलाई, सुबह 6:30 बजे
इंग्लैंड बनाम कांगो	1 जुलाई, रात 9:30 बजे
बेल्जियम बनाम सेनेगल	2 जुलाई, रात 1:30 बजे
यूएसए बनाम बोस्निया एंड हर्जेगोविना	2 जुलाई, सुबह 5:30 बजे
स्पेन बनाम ऑस्ट्रिया	3 जुलाई, रात 12:30 बजे
पुर्तगाल बनाम क्रोएशिया	3 जुलाई, सुबह 4:30 बजे
स्विट्जरलैंड बनाम अल्जीरिया	3 जुलाई, सुबह 8:30 बजे
ऑस्ट्रेलिया बनाम मिस्र	3 जुलाई, रात 11:30 बजे
अर्जेंटीना बनाम केप वर्डे	4 जुलाई, सुबह 3:30 बजे
कोलंबिया बनाम घाना	4 जुलाई, सुबह 7:00 बजे

टी20 वर्ल्ड कप से टीम इंडिया बाहर, ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हार के साथ सफर समाप्त

● लंदन

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम का महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने का सपना एक बार फिर चकनाचूर हो गया है। रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए करो या मरो के महामुकाबले में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी।

इस शर्मनाक हार के साथ ही भारतीय टीम का सफर इस वर्ल्ड कप में यहीं समाप्त हो गया है और टीम सेमीफाइनल की रेस से आधिकारिक तौर पर बाहर हो चुकी है। भारतीय फैंस को उम्मीद थी कि विमेन इन ब्लू इस बार इतिहास रचेंगी, लेकिन कंगारू टीम ने एक बार फिर बड़े मैचों में अपना दबदबा साबित करते हुए भारत को टूर्नामेंट से पैक-अप करने पर मजबूर कर दिया।

ग्रुप-ए से ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की टीमें महिला टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में

इस मैच के नतीजे के साथ ही ग्रुप-ए से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दोनों टीमों की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने और दूसरे स्थान पर मौजूद साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने सेमीफाइनल के लिए आधिकारिक तौर पर क्वालीफाई कर लिया है। भारत को सेमीफाइनल का टिकट कटाने के लिए इस मैच में हर हाल में जीत की जरूरत थी, लेकिन इस हार ने नेट रन-रेट के सारे समीकरणों को खत्म कर दिया। अब भारतीय टीम को खाली हाथ स्वदेश लौटना होगा, जबकि ग्रुप-बी से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के साथ मिलकर टूर्नामेंट के अंतिम चार की जंग बेहद रोमांचक हो गई है।

हरमनप्रीत कौर की आतिशी फिफ्टी काम नहीं आई, एलिस पेरी और गार्डनर ने संभाला मोर्चा

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का साहसिक फैसला किया। हरमनप्रीत ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर चौके-छक्कों की बरसात करते हुए करियर का सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। हरमनप्रीत की इस कप्तानी पारी की बदौलत भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 170 रनों का स्कोर खड़ा किया था और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 171 रनों का लक्ष्य दिया था। 171 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। उन्होंने 68 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट खो दिया था, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और एश गार्डनर ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली।

बेन स्टोक्स ने क्रिकेट से संन्यास का किया ऐलान

न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेंगे आखिरी मैच

● नई दिल्ली

इंग्लैंड क्रिकेट के सबसे बड़े स्टार और मौजूदा टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास का ऐलान कर सबको चौंका दिया है। स्टोक्स ने घोषणा की है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेला जाने वाला तीसरा और निर्णायक टेस्ट मैच उनके इंटरनेशनल करियर का आखिरी मुकाबला होगा।

इसके बाद वह इंग्लैंड की जर्सी में दोबारा खेलते नजर नहीं आएंगे। हाल ही में नाइटक्लब विवाद और टीम कर्फ्यू तोड़ने के बाद लगे एक मैच के बैन से वापसी करने वाले स्टोक्स ने इस मैच से ठीक पहले यह भावुक और बड़ा फैसला लिया है। इसके साथ ही साल 2022 से शुरू हुआ उनका टेस्ट कप्तानी का सफर भी इसी मैच के साथ समाप्त हो जाएगा। न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में जन्मे और कंब्रिया में पले-बढ़े बेन स्टोक्स का इंटरनेशनल सफर साल 2011 में वाइट बॉले क्रिकेट से शुरू हुआ था।

आंकड़ों से परे था स्टोक्स का कद

ईसीबी के सीईओ रिचर्ड गूल्ड ने भी स्टोक्स के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इंग्लिश क्रिकेट में स्टोक्स का योगदान अमूल्य है। गूल्ड ने कहा, स्टोक्स ने न केवल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में से एक के रूप में अपनी काबिलियत साबित की, बल्कि अपने पूरे करियर में जो प्रतिबद्धता, जुझारूपन और जुनून दिखाया, वह बेमिसाल है। उनका प्रभाव आंकड़ों से कहीं आगे है, उन्होंने दुनिया भर के क्रिकेटरों को प्रेरित किया।

आयरलैंड ने भारत को टी20 सीरीज में किया क्लीन स्वीप

● बेलफास्ट

आयरलैंड ने भारत को टी20 सीरीजी में क्लीन स्वीप कर दिया है। सीरीज के पहले मैच में उलटफेर करने के बाद आयरलैंड ने दूसरे मैच को भी जीत लिया। इस सीरीज से पहले मेजबान टीम ने भारत के खिलाफ कोई इंटरनेशनल मैच नहीं जीता था।

पहले बैटिंग करते हुए आयरलैंड ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन बनाए। भारत की बैटिंग एक बार फिर फेल रही और टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 153 रन ही बना सकी। आयरलैंड ने मैच को एक रन से जीत लिया। आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए 22 रन चाहिए थे।

हर्षित राणा ने मैच को रोमांचक बनाया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। ओवर की 5वीं गेंद पर हर्षित आउट हो गए। उन्होंने 10 गेंद पर 21 रन बनाए। भारत को आखिरी गेंद पर जीत के लिए 8 रन चाहिए थे। प्रिंस यादव ने छक्का मार दिया।

स्कोर बोर्ड

आयरलैंड	रन	गेंद	4	6
टेक्टर कॉट अभिषेक बो.राणा	5	6	1	0
अड़ायर कॉट तिलक बो.अर्शदीप	16	7	1	2
हैरी कॉट ईशान बो.प्रिंस	53	47	5	1
टकर कॉट ईशान बो.प्रिंस	15	18	2	0
कालित्ज़ कॉट तिलक बो.दुबे	37	23	3	2
डेलानी बो.दुबे	0	1	0	0
डॉकरेल कॉट अक्षर बो.अर्शदीप	19	14	1	1
मैकार्थी कॉट ईशान बो.प्रिंस	2	4	0	0
मूंदरा नाबाद	1	1	0	0

अतिरिक्त: 6, कुल रन: 154-8 (20.0) बल्लेबाजी नहीं की: हम्फ्रीज़, होलार्ड **विकेट पतन:** 17-1,21-2,48-3,113-4,113-5,144-6,153-7,154-8. गेंदबाज- अर्शदीप: 4-0-35-2, राणा: 3-0-17-1, प्रिंस: 4-0-22-3, दुबे: 3-0-25-2, शेड़गे: 2-0-25-0, अक्षर: 4-0-28-0.

भारत	रन	गेंद	4	6
सैमसन एलबी डब्ल्यू बो. मूंदरा	0	1	0	0
अभिषेक कॉट होलार्ड बो. मूंदरा	0	1	0	0
ईशान रन आउट	12	11	1	0
अय्यर बो. मूंदरा	10	7	2	0
तिलक कॉट मैकार्थी बो.होलार्ड	55	46	3	1
अक्षर कॉट टकर बो.होलार्ड	14	18	0	0
दुबे कॉट डॉकरेल बो. हम्फ्रीज	20	16	2	0
शेड़गे कॉट टेक्टर बो.होलार्ड	1	5	0	0
राणा कॉट टेक्टर बो.हैरी	21	10	2	1
अर्शदीप नाबाद	4	5	0	0
प्रिंस नाबाद	6	1	0	1

अतिरिक्त: 10, कुल रन: 153-9 (20.0). विकेट पतन: 0-1,1-2,19-3,35-4,74-5,109-6,117-7,121-8,147-9. गेंदबाज- मूंदरा: 4-0-32-3, हम्फ्रीज: 4-0-28-1, होलार्ड: 4-0-26-3, मैकार्थी: 4-0-22-0, हैरी: 4-0-40-1.

कोहली और जोकोविच की जल्द हो सकती है मुलाकात

भारत का दौरा करेंगे टेनिस स्टार नोवाक

● नई दिल्ली

टेनिस के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने बताया कि वह अभी तक क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली से नहीं मिले हैं लेकिन उन्होंने मुलाकात करने की इच्छा जताई है।

जोकोविच ने कहा है कि वे सालों से सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे के करियर का समर्थन व प्रशंसा करते रहे हैं। पूर्व नंबर एक और 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों के विजेता नोवाक जोकोविच जल्द ही भारत का दौरा करेंगे। विंबलडन 2026 के दौरान एक साक्षात्कार में नोवाक जोकोविच ने भारतीय स्टार विराट कोहली से मिलने के सवाल पर कहा, हम आमने-सामने तो नहीं मिले हैं, लेकिन हमने मैसेज पर बात की है। हम पिछले कुछ सालों से संपर्क में हैं, एक-दूसरे को फ़ॉलो कर रहे हैं, एक-दूसरे का सपोर्ट कर रहे हैं और एक-दूसरे के करियर की तारीफ करते रहे हैं।

आज से शुरू होगा विंबलडन

नोवाक जोकोविच 29 जून को विंबलडन 2026 अभियान की शुरुआत करेंगे, जहां वे रिकॉर्ड-विस्तारित 25वां ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब जीतने के लिए उतरेंगे। सर्बियाई स्टार फ्रेंच ओपन में जोआओ फोंसेका के हाथों चौंकाने वाले तीसरे दौर के हार के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है, सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच का मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा। सातवीं सीड का सामना दूसरे राउंड में दुनिया के पूर्व नंबर 3 स्टेफानोस सितसिपास से हो सकता है।

जोकोविच ने कहा

उम्मीद है कि मुझे उनसे आमने-सामने मिलने, थोड़ा टेनिस और थोड़ा क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा, यह बहुत अच्छा होगा। मैं जल्द ही भारत आने का भी प्लान बना रहा हूं, तो शायद वहीं हमारी मुलाकात हो जाए।

कराटे प्रतियोगिता में मप्र शीर्ष स्थान पर रहा

● भोपाल / खेल संवाददाता

सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 27 एवं 28 जून को आयोजित तीसरी भोपाल ओपन अखिल भारतीय कराटे चैंपियनशिप का समापन हुआ। प्रतियोगिता में देश के 19 से अधिक राज्यों के 550 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। आशी बाधोराई ने 5-0 से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। आयुषी बाधोराई ने 6-0 के स्कोर से स्वर्ण पदक जीता, सौरभी नेगी ने भी 6-0 से जीत दर्ज कर चैंपियनशिप में श्रेष्ठता साबित की। रुशा तंबत ने सभी व्यक्तिगत मुकाबलों में 10-0 के अजेय स्कोर से जीत दर्ज की। राज्यवार समग्र प्रदर्शन में मध्यप्रदेश ने प्रथम, तमिलनाडु ने द्वितीय तथा राजस्थान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नागल ने जीता इंटारो ओपन खिताब

● नई दिल्ली

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने रोमानिया के टार्गु मुरेस में खेले गए इंटारो ओपन क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में फ्रांस के क्वालीफायर फेलिक्स बालशॉ को 6-3, 7-5 से हराकर दो साल से ज्यादा समय में अपना पहला एटीपी चैलेंजर खिताब जीता। इस जीत के साथ ही चैलेंजर स्तर पर नागल का खिताबी सूखा भी खत्म हो गया। इससे पहले उन्होंने जून 2024 में जर्मनी में हेलब्रॉन चैलेंजर जीता था।

किदांबी श्रीकांत यूएस ओपन टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

● फुलर्टन

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। पुरुषों के सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीकांत ने जापान के युदाई ओकिमोटो को हराया। श्रीकांत इस साल अपने पहले फाइनल में पहुंचे हैं। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ओकिमोटो को एक घंटे 12 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 15-21, 21-19 से हराया।

पिकलबॉल खिलाड़ियों को दिया गया प्रशिक्षण

● भोपाल / खेल संवाददाता

शहर में पिकलबॉल खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में तीन दिवसीय हाई परफॉर्मेंस पिकलबॉल ट्रेनिंग कैंप का आयोजन राजधानी के ऐस पिकलबॉल क्लब में किया गया।

यह प्रशिक्षण शिविर ऐस पिकलबाल क्लब द्वारा मध्यप्रदेश पिकलबॉल एसोसिएशन एवं इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित किया गया। इस विशेष पहल की शुरुआत जिला पिकलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष आदित्य सूर ने की। कैंप का उद्देश्य भोपाल के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना रहा।

खुलासा एसआरएच की को-ऑनर की कोलावेरी डी फेम म्यूजिक कंपोजर के साथ शादी की खबरें

रजनीकांत परिवार की बहू बनेंगीं काव्या मारन

● नई दिल्ली

आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद की को-ओनर काव्या मारन से जुड़ी एक खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि काव्या मशहूर म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर से शादी करने जा रही हैं। काव्या आईपीएल मैचों के दौरान अपनी टीम को सपोर्ट करती नजर आती हैं। हालांकि अनिरुद्ध ने कभी भी काव्या के साथ अपने रिश्ते की सार्वजनिक रूप से पुष्टि नहीं की है। हाल ही में उनके परिवार के एक सदस्य ने इस बात की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। अनिरुद्ध के अंकल और एक्टर वाईजी महेंद्र ने एक बातचीत में म्यूजिशियन की काव्या के साथ शादी के बारे में जानकारी दी। महेंद्र के हवाले से कहा गया है कि वह बहुत शांत स्वभाव का लड़का है। मैंने सुना है कि वे शादी करने वाले हैं। वह लड़की कोई आम लड़की नहीं है। उसमें इतनी बड़ी टीम (एसआरएच) को संभालने की काबिलियत है। उसे अपने पिता से बिजनेस के गुण विरासत में मिले हैं। वे एक अच्छी जोड़ी हैं।

दोनों को साथ मिलकर म्यूजिक बिजनेस में काम करना चाहिए। अनिरुद्ध 2011 में अपने वायरल हिट गाने वाय दिस कोलावेरी डी से मशहूर हुए थे। तब से उन्होंने कई सफल गाने दिए हैं और तमिल फिल्म इंडस्ट्री में खुद को एक बड़े म्यूजिक कंपोजर के तौर पर स्थापित किया है। उनके कुछ खास कामों में जेलर, जर्सी, जवान, लियो और अन्य फिल्में शामिल हैं।

बिजनेसमैन की बेटी हैं काव्या अनिरुद्ध के परदादा के. सुब्रमण्यम, 1930 के दशक में फिल्म निर्माता थे। उनकी ग्रैंड-आंट मशहूर क्लासिकल डांसर डॉ. पद्मा सुब्रह्मण्यम हैं। दूसरी ओर काव्या बिजनेसमैन कलानिधि मारन की बेटी हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के अलावा वह एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप और द हंड्रेड में सनराइजर्स लीड्स की भी को-ओनर हैं।

जंगू और चेज ने 401 रन जोड़े

● नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के आमिर जंगू और कप्तान रोस्टन चेज ने टेस्ट क्रिकेट में छठे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड ब्रेक किया। दोनों ने मिलकर 603 गेंद पर 401 रन बनाए। इस जोड़ी ने इंग्लैंड के बेन स्टोक्स और जॉनी बेयरस्टो के 10 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। इस रिकॉर्ड पार्टनरशिप के दम पर वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एंटीगुआ में चल रहे इस मुकाबले में मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने अपनी पहली पारी 626/9 के स्कोर पर डिक्लेयर की। इतना ही नहीं, तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका को दूसरी पारी में एक झटका भी दे दिया। ओपनर पाथुम निसांका 3 रन बनाकर आउट हुए।

संक्षिप्त समाचार

तीन माह के बेटे संग वैश्विक मंच पर स्वीडन की मंत्री ने कहा- मां बनने से कॅरिअर नहीं रुकता

लक्जमबर्ग, एजेंसी। अपने तीन महीने के बेटे एडम को गोद में लेकर यूरोपीय संघ के जलवायु मंत्रियों की बैठक में पहुंचीं स्वीडन की मंत्री रोमिना पोरमोख्तारी की यह तस्वीर पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो में रोमिना बेटे को लेकर बैठक में भाग लेती और अपनी बात रखते दिख रही हैं। यूरोपीय यूनियन की बैठक में पहली बार ऐसा देखने को मिला, जब इतना नन्हा मेहमान इसका हिस्सा बना। रोमिना पोरमोख्तारी ने कहा- मैंने जानबूझकर ऐसा किया, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि मां बनने का मतलब यह नहीं कि किसी महिला का कॅरिअर रुक जाए। महिलाओं को कॅरिअर और परिवार में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। 30 साल की पोरमोख्तारी वर्ष 2022 में पद संभालने के समय स्वीडन की सबसे कम उम्र की मंत्री थीं। वह मातृत्व अवकाश से लौटी हैं, जबकि उनके पति सितंबर में होने वाले चुनाव तक छुट्टी पर हैं। एडम की देखभाल के लिए वह उनके साथ लक्जमबर्ग गए थे। इस दौरान रोमिना पोरमोख्तारी ने कहा कि कई बार नेताओं और खासकर महिला नेताओं के सामने यह धारणा बना दी जाती है कि उन्हें अपने परिवार और काम में से किसी एक को चुनना होगा। वह इस सोच से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि यदि परिस्थितियां अनुकूल हों, तो दोनों जिम्मेदारियों को साथ लेकर चलना संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे का बैठक में मौजूद होना कोई असामान्य बात नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, कार्यस्थलों और सरकारी संस्थानों को इतना लचीला होना चाहिए कि माता-पिता अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ भी अपने सार्वजनिक दायित्व निभा सकें।

जंग के बीच रूस-यूक्रेन ने की कैदियों की अदला-बदली, 76वीं बार युद्धबंदियों की रिहाई

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन ने शुक्रवार को एक बार फिर युद्धबंदियों की अदला-बदली की। दोनों देशों के अधिकारियों के अनुसार, इस बार दोनों तरफ से 160-160 कैदियों को छोड़ा गया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के कब्जे वाले इलाके से 160 रूसी सैनिकों को वापस लाया गया, जबकि इसके बदले 160 यूक्रेनी युद्धबंदियों को छोड़ा गया। मंत्रालय के मुताबिक, वापस आए रूसी सैनिकों को पहले बेलारूस में चिकित्सा और मानसिक सहायता दी जा रही है। इसके बाद उन्हें आगे इलाज और देखभाल के लिए रूस भेजा जाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इस अदला-बदली में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मानवीय मदद और मध्यस्थता की भूमिका निभाई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रिहा किए गए यूक्रेनी सैनिक 2022 से कैद में थे। जेलेंस्की ने कहा कि इनमें यूक्रेनी सशस्त्र बलों के जवान, स्टेट स्पेशल ट्रांसपोर्ट सर्विस, नेशनल गार्ड और स्टेट बॉर्डर गार्ड सर्विस के सदस्य शामिल हैं। शुक्रवार की यह अदला-बदली 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद रूस और यूक्रेन के बीच 76वीं कैदी अदला-बदली थी।

जिनेवा में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन : पीओजेके में मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप

जिनेवा, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने शुक्रवार को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर स्थित 'ब्रोकन चेयर' स्मारक पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 62वें सत्र के दौरान आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल पीओजेके में लोगों पर दमन कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से 7 जून को रावलाकोट में हुई गोलीबारी का जिक्र किया, जिसमें कई लोगों की मौत और कई अन्य घायल हुए थे। यूकेपीएनपी के नेताओं जमील मकसूद और अमजद यूसुफ ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर दबाव बनाया जाए ताकि वह अपनी सुरक्षा बलों को क्षेत्र से हटाए और रावलाकोट में जारी घेराबंदी खत्म करे। प्रदर्शन के आयोजकों ने नागरिकों के खिलाफ बल प्रयोग और शांतिपूर्ण विरोध को दबाने के आरोपों की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग भी की। यूकेपीएनपी की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष जमील मकसूद ने कहा कि पार्टी पीओजेके के लोगों पर कथित दमन और आतंक के खिलाफ आवाज उठा रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र को पाकिस्तान से सुरक्षा बल हटाने और रावलाकोट की घेराबंदी समाप्त करने के लिए कहना चाहिए। यूकेपीएनपी के सदस्य अमजद यूसुफ ने दावा किया कि रावलाकोट में करीब दो लाख लोग अपने बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं।

अमेरिका ने ईरान पर हमले का वीडियो किया जारी इस्राइल-लेबनान ने शांति समझौते पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी। कतर के रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र में हुए भीषण विस्फोट में जान गंवाने वाले आठ और भारतीय नागरिकों के शव भारत भेज दिए गए हैं। इसके साथ ही अब तक कुल 12 भारतीयों के पार्थिव शरीर स्वदेश लाए जा चुके हैं। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। रास लाफान स्थित बरजान गैस आपूर्ति केंद्र में हुए विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 12 भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक शामिल थे। हादसे में 66 लोग घायल हुए हैं। भारतीय दूतावास ने घायलों से मुलाकात की और कहा कि सभी को उचित चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। दूतावास ने शवों की स्वदेश वापसी में मदद के लिए कतर सरकार और अन्य एजेंसियों का आभार जताया।

ईरान ने युद्धविराम तोड़ा तो नतीजे भुगतने होंगे- ट्रंप : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की ओर से कथित तौर पर युद्धविराम उल्लंघन के सवाल पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि इसके क्या नतीजे होंगे, यह जल्द ही पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें यह पसंद नहीं आया कि ईरान ने एक दिन पहले गोलीबारी की। ट्रंप के मुताबिक, चार हमले किए गए थे, जिनमें से तीन को अमेरिकी बलों ने मार गिराया। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक महंगे वाणिज्यिक जहाज को नुकसान पहुंचा है। ट्रंप ने कहा कि ऐसी गतिविधियां नहीं होनी चाहिए। उनका यह बयान अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है।

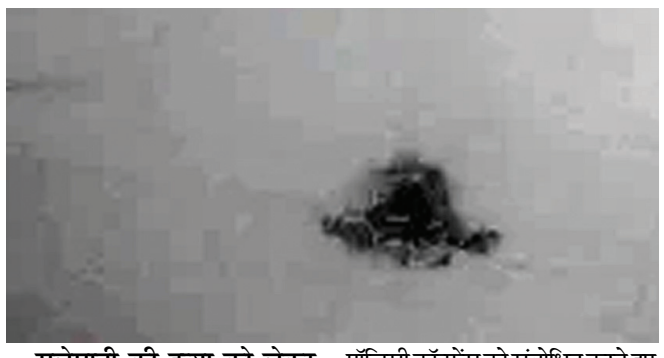

सुलेमानी की हत्या को लेकर क्या बोले ट्रंप : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान के पूर्व सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि सुलेमानी की हत्या पिछले 100 वर्षों की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक थी। उन्होंने दावा किया कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई लोग भी सुलेमानी से डरते थे और उसकी मौत से खुश थे। ट्रंप ने कहा कि सुलेमानी का प्रभाव इतना बड़ा था कि उसकी मौत ने पूरे क्षेत्र की राजनीति को प्रभावित किया। हालांकि, ट्रंप के इस दावे पर ईरान की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

ट्रंप बोले- ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि पिछले सप्ताह अमेरिका ने एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बना सकेगा। फेथ एंड फ्रीडम कोएलिशन की 2026 पॉलिसी कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अब तक कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति ऐसा नहीं कर पाया था। उन्होंने कहा, 'हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे।' ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अब कोई भी ईरान का नेतृत्व नहीं करना चाहता। ट्रंप के बयान को अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अहम माना जा रहा है।

अमेरिका ने ईरान पर हमले का वीडियो किया जारी : अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के ठिकानों पर किए गए सैन्य हमलों का वीडियो जारी किया है। अमेरिका ने दावा किया है कि यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले के जवाब में की गई। वीडियो में अमेरिकी लड़ाकू विमानों द्वारा ईरान के कथित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए दिखाया गया है। सेंटकॉम के अनुसार, सिंगापुर के झंडे वाले मालवाहक जहाज एम/वी एवर लवली पर ड्रोन से हमला किया गया था। अमेरिकी सेना का आरोप है कि यह हमला ईरान की ओर से किया गया। जहाज उस समय ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहा था।

अमेरिकी सेना ने ईरान के मिसाइल ठिकानों पर किए हवाई हमले : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने कहा कि उसके ईरान के मिसाइल और ड्रोन भंडारण ठिकानों व तटीय रडार साइट्स पर हमले किए हैं। यह कार्रवाई तब की गई, जब ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया।

समझौते से देश की संप्रभुता बहाल होगी: लेबनानी प्रधानमंत्री : लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने कहा कि इस ढांचा समझौते का उद्देश्य इस्राइल की सभी लेबनानी क्षेत्रों से वापसी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इससे देश की संप्रभुता बहाल होगी और लोग अपने घरों में सुरक्षित लौट सकेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि इस समझौते के दौरान लेबनान से यह अपेक्षा है कि वह अपने सभी क्षेत्रों पर राज्य की सेना के जरिये पूरा नियंत्रण स्थापित करे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के मंत्रिमंडल के बयान और संसद का विश्वास इस बात की पुष्टि करता है कि देश में युद्ध और शांति का निर्णय केवल सरकार के पास होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका, अरब देशों और अन्य मित्र देशों के प्रयासों से यह समझौता संभव हुआ है।

त्रासदी के बीच गूंजी किलकारी, मलबे में बच्चे का जन्म; अब तक 920 की मौत, 3000 घायल, 50+ हजार लापता

काराकस, एजेंसी। दो शक्तिशाली भूकंपों से इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी का सामना कर रहे वेनेजुएला में मृतकों की संख्या बढ़कर 920 हो चुकी है। करीब 3,360 लोग घायल हैं, जबकि 50 हजार से अधिक लोग लापता हैं। मलबे में अभी भी सैकड़ों लोगों के दबे होने की आशंका है। हर तरफ मौत व तबाही के मंजर के बीच काराकस में मलबे में दबी गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। राहत व बचाव कार्य में जुटे कर्मी जब उसके पास पहुंचे तो पता चला कि वह बच्चे को जन्म देने वाली है। तब मेडिकल टीम की मदद से महिला की मलबे के नीचे ही डिलीवरी कराई गई। उसने एक बच्चे को जन्म दिया। हर तरफ कंक्रीट और खौफनाक मंजर के बावजूद मां और बच्चा दोनों सुरक्षित बच गए। अभी दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना के वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। लोग मां की हिम्मत और बचाव दल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। भारत ने छह टन राहत सामग्री व मेडिकल टीम भेजी वेनेजुएला में तबाही के बीच भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया है। ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत शुक्रवार को वायुसेना के दो विमानों से सेना ने 41 सदस्यीय मेडिकल दल को घायलों के इलाज के लिए वेनेजुएला रवाना किया गया। विदेश मंत्रालय ने इस टीम के साथ लगभग छह टन चिकित्सा सामग्री और मानवीय राहत से जुड़ी सामग्री इस दल के साथ भेजी है। इसके अलावा भारत की आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत एक विमान में अत्याधुनिक भीष्म क्यूब भी भेजा गया है।

यह टीम गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से भेजी गई। भीष्म क्यूब की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह कम समय में स्थापित होकर लगभग 200 मरीजों तक को उपचार और जीवनरक्षक सुविधाएं प्रदान कर सकता है। इस प्रणाली ने भारत की आपदा प्रतिक्रिया क्षमता को नई मजबूती दी है। इसे दुनिया के विभिन्न संकटग्रस्त क्षेत्रों में त्वरित सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

अमेरिका ने भारतीय कंपनी और सीईओ समेत आठ पर लगाया बैन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफ्रीकी देश सूडान में जारी गृहयुद्ध के बीच एक भारतीय कंपनी और उसके का नाम सामने आया है। अमेरिका ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक और उसकी कंपनी समेत आठ व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिका का आरोप है कि इन लोगों और कंपनियों ने सूडान में चल रहे संघर्ष के दौरान ऐसे नेटवर्क का हिस्सा बनकर काम किया, जिसने युद्ध को लंबा खींचने में मदद की।

अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय के अनुसार, रायपुर के आलोक चौधरी और उनकी कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि कंपनी ने सूडान की एक फर्म को विस्फोटक और उससे जुड़ी सामग्री की आपूर्ति की थी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि इस सामग्री का इस्तेमाल बाद में सूडानी सेना के सैन्य ढांचे से जुड़ी गतिविधियों में हुआ। अमेरिकी वित्त विभाग के मुताबिक, एसबीएल एनर्जी लिमिटेड, जिसे एमिन एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड के नाम से भी जाना जाता है, ने सूडान की टारगेट मल्टीएक्टिविटीज कंपनी को 200 से अधिक खेपों में विस्फोटक और संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई। अमेरिका का कहना है कि यह कंपनी सूडानी सेना के हथियार भंडार को बनाए रखने से जुड़ी थी। इसी मामले में टीएमएसी और उसके महाप्रबंधक तारिक हुसैन मोहम्मद मदानी को भी प्रतिबंधित किया गया है। सूडान में अप्रैल 2023 से सूडानी सशस्त्र बल और रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच संघर्ष जारी है। इस लड़ाई ने देश में गंभीर मानवीय संकट पैदा कर दिया है। अमेरिका का कहना है कि कुछ कंपनियां और नेटवर्क दोनों पक्षों को हथियार, विस्फोटक और अन्य सहायता उपलब्ध करा रहे थे, जिससे संघर्ष और लंबा खिंचा। अमेरिका ने सूडान और मिस्र की कुछ अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें पोर्ट्स इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड भी शामिल है।

ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कबूला जुर्म, गोपनीय दस्तावेज मामले में दोषी करार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रह चुके जॉन बोल्टन ने गोपनीय सरकारी दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने के मामले में अदालत में दोष स्वीकार कर लिया है। बोल्टन ने शुक्रवार को अमेरिकी अदालत में अपना जुर्म कबूल किया। इस मामले में उनके और अमेरिकी न्याय विभाग के बीच समझौता भी हुआ है, जिससे उन्हें जेल की सजा से राहत मिल सकती है। हालांकि अंतिम फैसला अदालत ही सुनाएगी। 77 वर्षीय जॉन किरियाको नहीं, मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट स्थित अमेरिकी जिला अदालत में राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी को अवैध रूप से अपने पास रखने के एक मामले में दोषी होने की बात स्वीकार की। इस अपराध के लिए अधिकतम 10 साल जेल की सजा का प्रावधान है। बोल्टन को 28 अक्टूबर को सजा सुनाई जाएगी। इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए बोल्टन को भयानक व्यक्ति बताया और कहा कि उनके साथ सख्ती से पेश आना चाहिए।

जॉन बोल्टन पर क्या आरोप लगे थे : अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, बोल्टन पर पिछले साल अक्टूबर में कुल 18 आरोप लगाए गए थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान तैयार की गई डायरी जैसी निजी नोट्स और अन्य गोपनीय जानकारियां अपने पास रखीं और उनमें से कुछ को अपने परिवार के सदस्यों के साथ साझा भी किया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, बोल्टन ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में अपने दैनिक कार्यों से जुड़ी 1,000 से अधिक पन्नों की जानकारी अपने परिवार को भेजी थी।

क्या समझौते से जेल की सजा टल सकती है : न्याय विभाग के साथ हुए समझौते के तहत बोल्टन ने 22.5 लाख अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमति जताई है। उन्हें अपनी संघीय सेवा से मिलने वाली सेवानिवृत्ति राशि भी छोड़नी होगी। इसके अलावा उन्हें खुफिया अधिकारियों के साथ पूछताछ सत्र में शामिल होना होगा और 100 घंटे तक सामुदायिक सेवा भी करनी होगी। समझौते में जेल की सजा को अधिकतम पांच साल तक सीमित रखने की सिफारिश की गई है, लेकिन अदालत इस सिफारिश को मानने के लिए बाध्य नहीं है। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, बोल्टन ने कुछ दस्तावेज अपनी पत्नी और बेटी के साथ साझा किए थे। एक दस्तावेज भेजने के बाद उन्होंने संदेश में लिखा था, इस बारे में हम बात नहीं करेंगे। अभियोजकों का कहना है कि हालांकि इस बात के कोई सबूत नहीं मिले कि उनके परिवार ने यह जानकारी किसी और को दी। लेकिन सरकारी सेवा छोड़ने के बाद बोल्टन के निजी ईमेल खाते को ईरान से जुड़े एक हैकर ने निशाना बनाया था, जिससे गोपनीय जानकारी तक पहुंच बनने की आशंका जताई गई। जॉन बोल्टन ने ट्रंप के पहले कार्यकाल में एक साल से अधिक समय तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में काम किया था। वर्ष 2019 में उन्हें पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद उन्होंने द रूम व्हेयर इट हैपन्ड नामक पुस्तक लिखी, जिसमें ट्रंप के नेतृत्व की आलोचना की गई थी। ट्रंप प्रशासन ने इस पुस्तक के प्रकाशन को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली।

वेनेजुएला में तबाही के बीच अब पाकिस्तान में भूकंप, डेरा गाजी खान के पास कांपी धरती

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के डेरा गाजी खान क्षेत्र के पास शनिवार सुबह 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से 75 किलोमीटर की गहराई में था। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। यह झटका ऐसे समय आया है, जब वेनेजुएला हाल ही में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी भूकंपों से जूझ रहा है, जहां राहत और बचाव कार्य अब भी जारी हैं। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंपों से दुनिया अभी उबर भी नहीं पाई है कि अब पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। शनिवार सुबह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के डेरा गाजी खान इलाके के पास 5.4 तीव्रता का

भूकंप आया। हालांकि, राहत की बात यह है कि अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। जानकारी के अनुसार, भूकंप शनिवार सुबह पाकिस्तान समयानुसार 8:53 बजे आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र डेरा गाजी खान के पास जमीन से करीब 75 किलोमीटर नीचे स्थित था। झटके महसूस होते ही लोग घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन प्रशासन सतर्क है। पाकिस्तान में हाल के दिनों में कितनी बार महसूस किए गए भूकंप के झटके? यह पहला मौका नहीं है जब हाल के दिनों में पाकिस्तान में धरती कांपी हो। इससे पहले शुक्रवार को बलूचिस्तान के कई इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पाकिस्तान भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है, जिसके कारण यहां समय-समय पर भूकंप आते रहते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे क्षेत्रों में लोगों को हमेशा सतर्क रहने की जरूरत होती है। वेनेजुएला में भूकंप ने कितनी तबाही मचाई है? पाकिस्तान में आए भूकंप की खबर ऐसे समय आई है, जब वेनेजुएला अभी भी हाल के विनाशकारी भूकंपों से जूझ रहा है। बुधवार को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप आए थे, जिनसे बड़े पैमाने पर तबाही हुई। कई इमारतें ढह गईं और हजारों लोग प्रभावित हुए। बचाव और राहत अभियान अब भी जारी है। वेनेजुएला के कई शहरों में मलबे में दबे लोगों की तलाश जारी है। अस्पतालों और राहत शिविरों में बड़ी संख्या में घायलों का इलाज किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियां भी राहत कार्य में जुटी हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रभावित इलाकों का पूरा आकलन करने में अभी समय लगेगा, क्योंकि कई क्षेत्रों तक पहुंचना मुश्किल बना हुआ है।

एफसीआरए संशोधन किसी समुदाय के खिलाफ नहीं', केरल भाजपा अध्यक्ष बोले- कांग्रेस ने इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया

इस्लामाबाद, एजेंसी। केरल में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में किए गए संशोधनों को लेकर जारी बहस के बीच प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एफसीआरए में किए गए बदलाव किसी भी समुदाय को निशाना बनाने के लिए नहीं हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि इन संशोधनों का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि विदेशी फंड का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों के लिए न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया, जिससे भाजपा को ईसाई समुदाय का समर्थन प्रभावित हुआ।

तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान एफसीआरए संशोधनों को बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाया। उन्होंने कहा कि इस वजह से भाजपा को ईसाई समुदाय के बीच नुकसान उठाना पड़ा। चंद्रशेखर ने यह भी स्पष्ट किया कि एफसीआरए के तहत सिर्फ ईसाई संस्थाएं ही नहीं, बल्कि सभी धर्मों से जुड़ी संस्थाएं विदेशी फंड प्राप्त करती हैं और कानून में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसका इस्तेमाल किसी विशेष समूह को निशाना बनाने के लिए किया जा सके। एफसीआरए संशोधनों को लेकर भाजपा का क्या कहना है? राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि संशोधनों का मकसद विदेशी चंदे के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग को रोकना है। उन्होंने कहा

कि यदि किसी संगठन को कानून को लेकर वास्तविक चिंता है, तो उसे सरकार से चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार इस मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह स्वयं भी संबंधित संगठनों और गृह मंत्रालय के बीच बातचीत कराने में मदद करेंगे। ईसाई संगठनों ने किस बात पर चिंता जताई है? केरल के कई ईसाई संगठनों ने एफसीआरए संशोधनों को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि नए प्रावधानों से चर्च और उससे जुड़े संस्थानों के कामकाज पर असर पड़ सकता है। हालांकि, भाजपा का कहना है कि संशोधन का उद्देश्य किसी धार्मिक संस्था को प्रभावित करना नहीं है, बल्कि विदेशी फंड के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ पर बोलते हुए राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि आपातकाल को सिर्फ इतिहास के एक अध्याय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की याद दिलाता है। चंद्रशेखर ने कहा कि भारत जब विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भारत आएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की पुष्टि

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द भारत का दौरा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी पुष्टि की है। रुबियो ने एक इंटरव्यू में बताया कि वे खुद ट्रंप के भारत के ऐतिहासिक दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं और इसके लिए वे जल्द भारत आएंगे। रुबियो ने बताया कि ट्रंप प्रशासन अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत दौरे की तैयारियां कर रहा है। यह भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी को रेखांकित करता है, क्योंकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। रुबियो ने कहा- इस साल के अंत में वे भी भारत का दौरा करेंगे व्हाइट हाउस में न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा, मैं साल के अंत में राष्ट्रपति ट्रंप के दौरे की तैयारियों के सिलसिले में भारत की यात्रा करूंगा। भारत-अमेरिका के संबंधों को लेकर रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत स्थिति में हैं और जी7 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच हुई हालिया मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में बेहतरी हुई है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि क्वाड बैठक पर भी जल्द बातचीत हो सकती है। रुबियो ने भारत को अमेरिका का सबसे करीबी सहयोगी बताया। उन्होंने कहा, 'भारत, अमेरिका का करीबी सहयोगी है और प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के रिश्ते भी बहुत अच्छे हैं, जो मुझे लगता है कि कूटनीति में बेहद महत्वपूर्ण होते हैं।'

फरवरी 2020 में ट्रंप ने किया था भारत दौरा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरी बार फरवरी 2020 में भारत का दौरा किया था। उस समय उन्होंने नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता से पहले अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप रैली को भी संबोधित किया था। साल 2024 में अमेरिकी सत्ता में दोबारा लौटने के बाद भी ट्रंप ने भारत के साथ बेहतर संबंधों को बढ़ावा दिया है और दोनों देश व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी में कई समानताएं भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भारत और अमेरिका को असीमित संभावनाओं वाले स्वाभाविक साझेदार बताते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश और उभरते क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग को राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी व्यक्तिगत संबंधों से भी मजबूती मिल रही है।

व्हाइट हाउस में आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में गोर ने भारत में अपने पहले छह महीनों के अनुभव साझा करते हुए कहा कि देश की विविधता, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और अमेरिका के साथ मजबूत होती साझेदारी ने द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य को लेकर उनके विश्वास को और मजबूत किया है। अमेरिकी राजदूत ने राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच करीबी कार्य संबंधों की भी तारीफ करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूत नींव बताया। प्रधानमंत्री मोदी के बारे में गोर ने कहा, 'वे बेहद ऊर्जावान हैं, हर काम में व्यक्तिगत रूप से रुचि लेते हैं और परिणाम देने पर जोर देते हैं। मुझे उनमें और राष्ट्रपति ट्रंप में कई समानताएं दिखाई देती हैं, क्योंकि दोनों ही खुद नेतृत्व करते हुए काम पूरा कराने में विश्वास रखते हैं।' उन्होंने कहा, 'दोनों की सोच काफी हद तक एक जैसी है और दोनों परिणाम देना चाहते हैं।

भविष्य की प्राथमिकताओं पर गोर ने कहा कि उनका ध्यान भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने, रक्षा सहयोग का विस्तार करने और पैक्स सिलिका जैसी पहलों को आगे बढ़ाने पर रहेगा।

बच्चों की तस्वीरों में झलका जयपुर का इतिहास,संस्कृति और विरासत

दीया कुमारी बोलीं-गुलाबी शहर के 300 साल का जश्न जनता का उत्सव बने

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर को एक नए नजरिए से देखने का अवसर रविवार को जवाहर कला केंद्र में मिला, जहां जयपुर की विरासत, संस्कृति और बदलते रंगों को पांच स्कूली विद्यार्थियों ने अपने कैमरों में अनोखे अंदाज में कैद किया। इन तस्वीरों की प्रदर्शनी में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी भी पहुंचीं। गौरागिनी आर्ट्स की ओर से आयोजित एक दिवसीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी जयपुर हमारी नजर से का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया। उन्होंने कहा कि जयपुर के 300 वर्ष पूरे होने का उत्सव केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर आमजन की भागीदारी वाला जनोत्सव बनना चाहिए। प्रदर्शनी में छात्रों की रचनात्मक सोच और फोटोग्राफी की खूब सराहना की गई। प्रदर्शनी में 17 वर्षीय कृष्णप्रिया भाटिया और उनकी सहेलियों अंतरिक्षा गुप्ता, पलक अरोड़ा, परिधि गुप्ता और तन्वी शर्मा की ओर से मोबाइल कैमरे से खींचे गए करीब 120 छायाचित्र प्रदर्शित किए गए। इन तस्वीरों में जयपुर की विरासत, संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और आधुनिक विकास को किशोर कलाकारों की दृष्टि से बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी में सिटी पैलेस, हवा महल, जंतर-मंतर, गढ़ गणेश मंदिर, पुरानी चौपड़, बाजारों की रौनक, मंदिरों की भव्यता के साथ-साथ स्टैच्यू सर्किल, डब्ल्यूटीपी, विधानसभा क्षेत्र और एयरपोर्ट रोड जैसे आधुनिक जयपुर की झलक भी देखने को मिली। हर तस्वीर शहर की एक अलग कहानी बयां करती नजर आई।

दो साल की मेहनत का नतीजा बनी प्रदर्शनी: प्रदर्शनी की संयोजक रागिनी ईश्वर ने बताया कि यह विचार पूरे परिवार का था। उन्होंने अपनी बेटी कृष्णप्रिया और उसके चार दोस्तों के साथ मिलकर तय किया कि वे जयपुर को अपनी नजर से लोगों के सामने पेश करेंगे।

द इन्टीट्यूट ऑफ चार्टेड एकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया' द्वारा क्षितिज कार्यक्रम आयोजित

पर्यावरण मानकों के अंकेक्षण की दिशा में भी कार्य हो:हरिभाऊ बागडे

राज्यपाल ने भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में आधुनिक विकास के लिए आगे बढ़ने का किया आह्वान

जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सीए हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आयकर और जी.एस.टी. से जुड़े नियमों की पालना कराने के साथ ही सीए प्रोफेशनल्स औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण मानकों के अंकेक्षण की दिशा में भी विशेष रूप से सजग रहें। इसी से औद्योगिक विकास के साथ जलवायु परिवर्तन के खतरों से राष्ट्र बचा रहेगा। उन्होंने कहा कि चार्टेड एकाउण्टेट व्यवसाय और आर्थिक क्रियाकलापों के सूक्ष्म अंकेक्षण के अंतर्गत राष्ट्र के राजस्व वृद्धि के लिए अधिकाधिक योगदान दें। उन्होंने कैपिटल बजटिंग, बजट पूर्वानुमान, वित्तपोषण आदि कार्यों के अंतर्गत चार्टेड एकाउंटेंट्स को राष्ट्र प्रथम की भावना रखते हुए कार्य करते हुए देश के विकास में अहम भूमिका निभाने का आह्वान किया। राज्यपाल बागडे बिड़ला सभागार में 'द

इन्टीट्यूट ऑफ चार्टेड एकाउण्टेट्स ऑफ इण्डिया' द्वारा आयोजित 2047 में भारत की उत्कृष्टता के आलोक में आयोजित 'क्षितिज' कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के आदर्श वाक्य 'य एष सुप्तेषु जागर्ति' की चर्चा करते हुए कहा कि कठोपनिषद का यह मंत्र विद्यार्थियों के जीवन का आलोक बनना चाहिए। इसका अर्थ है, जब सब सोए हुए हों तो भी हमें जागते रहना चाहिए। उन्होंने राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर सभी को अपना योगदान देने के लिए निरंतर सजग रहने पर जोर दिया। बागडे ने सीएसआर के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और राष्ट्र विकास के कार्यों में सामाजिक सहभागिता के तहत अधिक से अधिक व्यावहारिक कार्य करवाए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि फर्म, व्यावसायिक संगठनों, कंपनियों को सीए प्रोफेशनल्स ऐसे सुझाव दें जिससे सीएसआर के तहत ऐसे अछूते क्षेत्रों में कार्य हो सके जिनकी की समाज को आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षा प्रसार के अंतर्गत, वंचितों को गुणवत्ता की शिक्षा और साधन उपलब्ध कराने, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए योगदान जैसे क्षेत्रों में सरकारी क्षेत्र के साथ निजी क्षेत्र की भी प्रभावी भूमिका सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया।

राजीव कॉलोनी में नाली एवं सड़क निर्माण कार्य का शुभारम्भ

वासुदेव देवनानी बोले प्रत्येक वार्ड तक विकास पहुंचाना हमारी प्राथमिकता

अजमेर बन रहा आधुनिक एवं विकसित शहर

जयपुर(नि.सं.)। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने वार्ड संख्या 73 स्थित राजीव कॉलोनी में विधायक कोष से स्वीकृत नाली एवं सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत शुभारम्भ किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने आज वार्ड संख्या 73 की राजीव कॉलोनी में बालकिशन शर्मा के मकान से धनजी के मकान तक नाली एवं सड़क निर्माण कार्यों का शुभारम्भ किया। यह दोनों विकास कार्य विधायक कोष से 10 लाख रुपए की लागत से कराए जाएंगे। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने पर क्षेत्र में जल निकासी, स्वच्छता तथा आवागमन की सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने निर्माण कार्यों का शुभारम्भ करते हुए कहा कि विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से सड़क, नाली, पेयजल तथा विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की जीवनरेखा होती हैं। बेहतर सड़कें न केवल आवागमन को सुगम बनाती हैं, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक लोगों की पहुंच को भी सशक्त करती हैं। इसी प्रकार सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था से स्वच्छता में सुधार होता है तथा वर्षा ऋतु में जलभराव जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस बोली-सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों की जानकारी छिपाई

सरकार ने कहा- यह दावा सही नहीं, रक्षा मंत्री का बयान गलत तरीके से दिखाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के 6 शहीद जवानों के नाम सार्वजनिक करने के बाद विवाद हो गया है। कांग्रेस ने सरकार पर शहीदों के नाम छिपाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा कहा, 'सरकार ने इन जवानों की शहादत एक साल तक सार्वजनिक नहीं की। उन्हें वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।' उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए गए एक बयान का वीडियो X पर शेयर किया। इसमें राजनाथ सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा। खेड़ा ने कहा, दो ही संभावनाएं हैं। या तो रक्षा मंत्री को उस समय छह जवानों की शहादत की जानकारी नहीं थी।

जयपुर में घूम रही प्रदूषण कम करने वाली वैन

पानी की फुहारें छोड़ती है, कीमत 55 लाख रुपए

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में एयर पॉल्यूशन को कम करने के लिए मोबाइल वैन चलाई जा रही है। यह वैन शहर के अलग-अलग हिस्सों में घूमकर प्रदूषण कंट्रोल करती है। यह वैन आखिर काम कैसे करती है? इसे कहां बनाया गया? नगर निगम के ज्ञश्वह्य गोपाल मुण्ड ने बताया- यह अत्याधुनिक वैन IIT खड़गपुर में विकसित टेक्नोलॉजी पर आधारित है। वैन को शहर के उन इलाकों में भेजा जाएगा, जहां वायु प्रदूषण का स्तर ज्यादा रहेगा। यह मशीन हवा में मौजूद प्रदूषक कणों (पॉल्यूटेंट पार्टिकल्स) को नियंत्रित करने का काम करेगी। गोपाल मुण्ड ने बताया- वैन में खास तरह के स्प्रिंकलर (पानी की बूंदें फेंकने वाले यंत्र) लगाए गए हैं। इसमें आरओ का शुद्ध पानी भरा जाता है। यह पानी स्प्रिंकलर के जरिए बेहद महीन फुहार के रूप में हवा में छोड़ा जाता है।

मोमोज विक्रेता युवती झुलसने का मामला गरमाया: आरोपी कॉन्स्टेबल लाइन हाजिर, सरकार ने इलाज और पुनर्वास का किया ऐलान

मुख्यमंत्री के काफिले से पहले ठेला हटाने के दौरान हुआ था हादसा, कांग्रेस का प्रदर्शन; सरकार बोली- निष्पक्ष जांच होगी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजधानी जयपुर के रामनगरिया थाना क्षेत्र में मोमोज बेचने वाली युवती रेशु गुप्ता के गर्म पानी से झुलसने का मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई और राजनीतिक विवाद दोनों का केंद्र बन गया है। पुलिस विभाग ने घटना के आरोपी बताए जा रहे कॉन्स्टेबल नरेंद्र को लाइन हाजिर कर विभागीय जांच शुरू कर दी है। वहीं राज्य सरकार ने पीड़िता के इलाज का पूरा खर्च उठाने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा परिवार के पुनर्वास के लिए डेयरी बूथ आवंटित करने की घोषणा की है। दूसरी ओर कांग्रेस ने इस घटना को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

घटना 19 जून की शाम करीब पौने सात बजे जगतपुरा के महल रोड पर हुई। उस समय मुख्यमंत्री के प्रस्तावित काफिले के गुजरने से पहले पुलिस सड़क किनारे लगे ठेले हटवा रही थी। 22 जून को पीड़िता रेशु गुप्ता की बड़ी बहन खुशबू गुप्ता ने रामनगरिया थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी ने जबरन मोमोज की कार्ट को धक्का देकर पलट दिया, जिससे बर्तन में रखा खौलता पानी रेशु के ऊपर गिर गया और वह गंभीर रूप से झुलस गई।

पीड़िता के अनुसार हादसे में उसके कंधे, सीने, जांघ और शरीर के कई हिस्से बुरी तरह झुलस गए। रेशु ने बताया कि पिता लाल बहादुर गुप्ता का कोरोना काल में निधन हो गया था। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उसी और उसकी बड़ी बहन पर है। बीएससी की पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर करीब 25 दिन पहले ही %हेल्दी आटा मोमोज% नाम से कार्ट शुरू की थी, जिससे पूरे परिवार का खर्च चल रहा था। उसने कहा कि इस हादसे ने उसके भविष्य को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है।

दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि मुख्यमंत्री के काफिले के मद्देनजर ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए सड़क किनारे लगे ठेले हटवाए जा रहे थे। पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर तथ्य जुटाए जा रहे हैं। विभागीय कार्रवाई के तहत संबंधित कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़िता के इलाज का पूरा खर्च वहन करने का निर्णय लिया है। साथ ही आर्थिक सहायता देने और परिवार के स्थायी पुनर्वास के लिए डेयरी बूथ आवंटित करने की प्रक्रिया भी शुरू करने की घोषणा की गई है। नगर निगम जयपुर ग्रेटर के आयुक्त ओम कसेरा और उपायुक्त नीलम मीना ने प्रतापनगर स्थित पीड़िता के घर पहुंचकर परिवार से मुलाकात की तथा सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

इस बीच मामला राजनीतिक रूप से भी गरमा गया है। शनिवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जयपुर कलेक्ट्रेट सर्किल पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का पुतला फूंका। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात कर्मियों की लापरवाही के कारण यह घटना हुई और पीड़िता को समय पर राहत नहीं मिली। कांग्रेस ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, उचित मुआवजा और बेहतर इलाज की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।

उधर सरकार का कहना है कि मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निष्पक्ष जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल विभागीय जांच जारी है और उसकी रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य बिंदु

- 19 जून को महल रोड पर हुई थी घटना।
- 22 जून को पीड़िता की बहन ने दर्ज कराई एफआईआर।
- आरोपी बताए जा रहे कॉन्स्टेबल नरेंद्र को लाइन हाजिर किया गया।
- सरकार उठाएगी इलाज का पूरा खर्च।
- आर्थिक सहायता और डेयरी बूथ आवंटित करने की घोषणा।
- कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप।
- पुलिस और विभागीय जांच जारी।

2030 तक 8 लाख करोड़ के गारमेंट निर्यात का लक्ष्य:राजस्थान को मिली बड़ी जिम्मेदारी

जयपुर। केंद्र सरकार ने साल 2030 तक देश से गारमेंट एवं टेक्सटाइल निर्यात को 8 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। यह जानकारी केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की टेक्सटाइल कमेटी के सचिव कार्तिकेय ढांडा ने एसोसिएशन ऑफ गारमेंट एक्सपोर्टर्स सीतापुरा (एजिस) और वस्त्र समिति की ओर से आयोजित निर्यातकों के संवाद कार्यक्रम में दी। कार्तिकेय ढांडा ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने में राजस्थान, विशेषकर जयपुर के गारमेंट निर्यातकों की अहम भूमिका होगी। उन्होंने निर्यातकों से केंद्र सरकार द्वारा 30 से अधिक देशों के साथ किए गए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। साथ ही विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक अवसरों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में वस्त्र समिति के उपनिदेशक

गोविंद प्रसाद और जे. परमेश्वरन ने निर्यातकों को सरकार की विभिन्न सुविधाओं और योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। एजिस के अध्यक्ष डॉ. दिनेश गुप्ता और महासचिव सिद्धार्थ गधैया ने बताया कि संवाद कार्यक्रम के दौरान निर्यातकों ने स्किल्ड लेबर की कमी, कच्चे माल के आयात में आने वाली दिक्कतों और कस्टम से जुड़ी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों ने इन मुद्दों को केंद्र सरकार तक पहुंचाने और समाधान के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया।

राजस्थान रिफाइनरी **राजस्थान रिफाइनरी से खुल रहे निवेश और रोजगार के नये द्वार**

एचपीसीएल प्रथम चरण में राजभर में 300 से ज्यादा नये पेट्रोल पंप खोलेगा, राज्य सरकार देगी लीज पर जमीन

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक लेकर एचपीसीएल और एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के अधिकारियों के साथ चर्चा कर सरकारी भूमि को लीज देकर 300 से ज्यादा स्थानों पर पेट्रोल पम्प लगाने के मामले में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि राजस्थान रिफाइनरी राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 80 हजार करोड़ रूपये के इस प्रोजेक्ट से राज्य में नये निवेश, उद्योग और रोजगार संवर्धन को बड़ा बूस्ट मिलेगा।

इस योजना के तहत 304 स्थानों की पहचान की जा चुकी है। इन नए रिटेल आउटलेट्स की स्थापना के लिए एचपीसीएल लगभग 400 करोड़ का निवेश करेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 31 जुलाई तक इस सम्बंध में एक नई नीति तैयार की जाएगी, जिसके तहत सरकारी भूमि एचपीसीएल को लीज (पट्टे) पर उपलब्ध कराई जाएगी ताकि नए पेट्रोल पम्प स्थापित किए जा सकें। इसके अलावा एचपीसीएल और एचआरआरएल ने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि आरटीपीपी अधिनियम के तहत सरकारी विभागों द्वारा ईंधन खरीद में उन्हें प्रेफरेंशियल सप्लायर का दर्जा दिया जाए। इसका उद्देश्य राजस्थान में स्थित एचआरआरएल रिफाइनरी की क्षमता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है। बैठक में राज्य सरकार ने एचपीसीएल और एचआरआरएल के साथ मिलकर इन सभी पहलों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। हाईब्रिड मोड पर हुई इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (खान) श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) श्री भास्कर ए. सावंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) श्री कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव (यूडीएच) श्री आलोक गुप्ता, प्रमुख सचिव (वित्त) श्री वैभव गलारिया, प्रमुख सचिव (राजस्व) श्री टी. रविकांत, एचपीसीएल के विपणन निदेशक श्री अमित गर्ग सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादक: बुधमती गोस्वामी एवं संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइट: www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।